बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 12 मई 2026 | दिन - मंगलवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 104 | मूल्य - 5 रुपये

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

जग प्रेरणा
जिला सिवनी

● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

सरकार ने गाड़ी दी, आप धक्का लगा दो..

धक्के वाली 108 एम्बुलेंस पर प्रदेश में सियासत तेज..

जगप्रेरणा काँहीवाड़ा।

गत दिवस सिवनी जिले के काँहीवाड़ा बस स्टैंड में 108 आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा की एम्बुलेंस को कर्मचारियों द्वारा धक्का लगाकर स्टार्ट करने का वीडियो

सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गत दिवस इस मामले को प्रदेश की मुख्य विपक्षी दल इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी ने अपनी आधिकारिक फेसबुक वाल से पोस्ट किया। कांग्रेस द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो के साथ लिखा गया **'सरकार ने गाड़ी दी, आप धक्का लगा दो।'**

इसके बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक कुनाल चौधरी एवं वर्तमान विधायक कांग्रेस सरकार मे पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे लखन घनघोरिया ने भी अपनी-अपनी फेसबुक वाल से 'धक्के वाली 108 एम्बुलेंस' का वायरल वीडियो साझा किया।

वीडियो के वायरल होने के बाद प्रदेशभर में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। विपक्ष लगातार प्रदेश सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर निशाना साध रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि आपातकालीन सेवा जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था की ऐसी स्थिति चिंता का विषय है।

फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया से निकलकर राजनीतिक बहस का विषय बन चुका है और लोग स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार की मांग कर रहे हैं।

शातिर बदमाश विकास सोनी पुलिस की गिरफ्त में, चोरी की मोटर सायकिल बरामद

जगप्रेरणा सिवनी।

नवागत पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी द्वारा चोरी एवं नकबजनी के अपराधों के रोकथाम के लिए प्रयासरत हैं जिनके कुशल नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सचिन परते के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों की धरपकड़ करते हुए आम आदमी को राहत पहुँचाने का प्रयास किया जाता रहा हैं जो इसी क्रम में मोटर सायकिल चोरी की 01 घटना का खुलासा कोतवाली पुलिस ने किया हैं।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 07/05/2026 को प्रार्थी मोहम्मद आरिफपिता साजिद खान निवासी ग्राम बोरदेई थाना डुण्डासिवनी की टीवीएस कम्पनी की स्पोर्टस् मोटरसायकिल **MP 20 MU 3923** कीमती 20000/- रुपये को दिनांक 07/05/2026 के करीब 10/30 बजे से 14/00 बजे के मध्य मंगलीपेठ सिवनी से अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर लेने संबंधी रिपोर्ट लेख कराने पर थाना कोतवाली सिवनी में अज्ञात आरोपी के विरूध्द अपराध क्रमांक 353/2026 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान उक्त प्रार्थीयों कि रिपोर्ट पर चोर की पतासाजी हेतु थाना स्तर पर टीम गठित कर संभावित स्थानों पर चोर की तलाश पतासाजी शुरु की गई एंव संदेही विकास सोनी को अभिरक्षा मे लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी विकास सोनी पिता स्व. चन्द्रपाल सोनी उम्र 25 वर्ष निवासी भैया कबाड़ी के पीछे टपरा मोहल्ला भगतसिंह वार्ड सिवनी के द्वारा उसके साथी रवि लोधी के साथ मिलकर मंगलीपेठ से दिनांक 07/05/2026 को 11/30 बजे उक्त मोटर सायकिल को चोरी करना बताया गया है

आरोपी विकास सोनी के कब्जे से टीवीएस कम्पनी की स्पोर्टस मोटरसायकिल **MP 20 MU 3923** कीमती 20000/- रुपये को टपरा मोहल्ला भगतसिंह वार्ड सिवनी से जप्त किया गया है, प्रकरण में एक फरार आरोपी रवि लोधी की तलाश जारी है। पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड पूर्व में भी आरोपी विकास सोनी पिता स्व. चन्द्रपाल सोनी उम्र 25 वर्ष निवासी भैया कबाड़ी के पीछे टपरा मोहल्ला भगतसिंह वार्ड सिवनी के विरूध्द थाना कोतवाली सिवनी में चोरी, नकबजनी, मारपीट, आर्म्स एक्ट के कुल 05 अपराध पंजीबध्द है।

गिरफ्तार आरोपी-विकास सोनी पिता स्व. चन्द्रपाल सोनी उम्र 25 वर्ष निवासी भैया कबाड़ी के पीछे टपरा मोहल्ला भगतसिंह वार्ड सिवनी। **जप्त मशरुका**- टीवीएस कम्पनी की स्पोर्टस् मोटरसायकिल **MP 20 MU 3923** कीमती 20000/- रुपये।

सराहनीय कार्य..

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सतीश तिवारी, प्र. आर. मुकेश गोडाने आर. सतीश इनवाती, सिध्दार्थ दुबे, सौरभ ठाकुर की विशेष भूमिका रहीं हैं।

सिंघम पुलिस बनी विजेता, विभागीय क्रिकेट ड्रीम 11 उपविजेता..

जगप्रेरणा सिवनी।

पॉली मैदान में रात्रिकालीन विभागीय टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। जिसमे ड्रीम 11 को पराजित कर सिंघम पुलिस विजेता बनी।इसके पहले दो सेमी फाइनल खेले गए। यह टूर्नामेंट 30 अप्रैल से प्रारंभ हुआ. जिसमें विभिन्न विभागों की 15 टीमों ने अपनी सहभागिता दी , 10 मई को टूर्नामेंट अपने अंतिम पड़ाव पर है । टूर्नामेंट के अंतर्गत आज 10 मई को तीन मैच खेले गये।

पहला सेमीफाइनल मैच -स्वास्थ्य टीम का मुकाबला ड्रीम 11 पुलिस से रहा, स्वास्थ्य टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 5 विकेट पर 95 रन बनाए, जवाबी पारी खेलते हुए ड्रीम 11 पुलिस ने 6.4 ओवर में 2 विकेट पर 97 रन बना लिए, इस तरह से ड्रीम 11 पुलिस ने इस मैच को 8 विकेट से जीतकर फायनल में पहुंची।

दूसरा सेमीफाइनल मैच-एमपीईबी टीम का मुकाबला सिंघम पुलिस टीम से रहा , सिंघम पुलिस टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट पर 110 रन बनाए, एमपीईबी टीम को जीत के लिए 111 रन बनाने का लक्ष्य मिला, एमपीईबी टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 7 विकेट पर 64 रन ही बना पाये, यह मैच ड्रीम 11 पुलिस ने यह मैच 46 रनों से जीतकर फायनल में पहुंची।

मेगा फायनल मैच- रात्रिकालीन विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट का मेगा फायनल मैच देर रात में शुरू हुआ, सिंघम पुलिस टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट पर 140 रन बनाऐ. ड्रीम 11 पुलिस को मुश्किल लक्ष्य 140 का मिला, पर क्रिकेट में कोई संभव-असंभव नहीं होता। ड्रीम 11 पुलिस टीम ने निर्धारित 8 विकेट ओवर में 4 विकेट पर 100 ही बना पाये, फायनल मैच को सिंघम पुलिस टीम ने 40 रनों से जीता।

गेहूं खरीदी के लिए द्वतीय एवं नवीन स्लाट बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की मांग..

जगप्रेरणा सिवनी।

एमएसपी पर गेहूं खरीदी के लिए द्वातीय एवं नवीन स्लाट बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर घनश्याम सनोडिया जिला पंचायत सदस्य सिवनी द्वारा मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम कलेक्टर सिवनी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया है।

ज्ञापन में लेख किया गया है कि वर्तमान में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी कार्य जारी है। खरीदी केंद्रों पर 3000 क्विंटल प्रतिदिन खरीदी होना चाहिए पर अधिकांश केंद्रों में 1000 क्विंटल प्रतिदिन से भी कम खरीदी हो रही है। कार्य तीन हफ्ते लेट चालू हुआ, कहीं बारदाना नहीं है तो कहीं हमाल नहीं है, इस कारण खरीदी केन्द्रों पर 100, 200 और कुछ जगह 400 से अधिक ट्रेक्टर लाइन पर खड़े हैं। एक ट्राली माल तुलाने में 5- 10 दिन तक लग रहे हैं। इस कारण किसानों द्वारा बुक स्लाट की डेट निकल जाती है। अप्रैल और मई की भीषड़ गर्मी खरीदी केंद्र की कतार में किसान की बीत रही है। ज्ञापन में मांग की गई है कि स्लाट की अवधि 7 दिन की है और किसान को एक ट्राली माल तुलाने में 8-10 दिन लग रहे हैं दूसरा ट्रिप माल लेकर पहुंचने से पहले स्लाट की डेट निकल जाती है।

अतः पूर्व वर्षो की तरह स्लाट बुकिंग का द्वातीय अवसर की सुविधा पोर्टल पर उपलब्ध कराए। बहुत से किसानों के स्लाट बुक ही नहीं हुए हैं उनके लिए भी नवीन स्लाट बुकिंग सुविधा चालू की जाए। ज्ञापन में आग्रह किया गया है कि किसान हित को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त मांगों को शीघ्र पूर्ण किया जाए, किसान अभी रोड पर खड़ा ही है मांग पूरी नहीं होने पर रोडो पर बैठने में अधिक समय नहीं लगेगा।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट गोंदिया एवं सिवनी से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
मो.- 8817448039

11 वर्षों में भी नहीं हुआ थोक मंडी का विकास, किसान एवं व्यापारियों को बैठने के लिए भी नहीं कक्ष

जगप्रेरणा सिवनी।

नगर में बढ़ती आबादी को देखते हुए नगर पालिका के बाजू में लगने वाली थोक सब्जी मंडी को वर्ष 2015 में कलेक्टर भारत यादव द्वारा स्थानांतरण

करते हुए नागपुर रोड स्थित कृषि फार्म के बाजू में प्रारंभ किया गया था इस दौरान उन्हें आश्वासन दिया गया था कि नई सब्जी मंडी में व्यापारियों को वे सारी सुविधाएं प्रदान की जाएगी जो महानगरों में होती है लेकिन देखने में आया कि 11 साल गुजर जाने के बावजूद भी यहां पर व्यापारियों को सिर्फ स्थाई दुकान के रूप में भवन तो मिले हैं लेकिन अन्य सुविधाओं के लिए आज तक कोई पहल नहीं की गई जिससे लोग परेशान हैं।

इस थोक सब्जी मंडी में प्रतिदिन अनेक गांव से किसान सब्जी एवं फल लेकर आते हैं लेकिन उन्हें ना तो गर्मी में छांव ना बरसात में पानी से बचने के लिए कोई साधन यहां उपलब्ध है एवं ठंड में भी वे यहां पर सुबह से आ जाते हैं लेकिन यहां पर उन किसानों की शुद्ध लेने के लिए कोई नहीं है। ज्ञातव्य है कि यह थोक सब्जी मंडी कृषि उपज मंडी के अधीनस्थ है और इसकी देखरेख का दायित्व सचिव को सोपा गया है लेकिन देखने में आया कि वर्तमान सचिव श्री चौधरी ने दुकानदारों की समस्या को लेकर कभी कोई चर्चा नहीं की जिसके कारण व्यापारी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

शहर एवं गांव से आने वाले लगभग 500 से अधिक व्यापारी एवं किसान यहां पर सब्जी फल का लेनदेन करते हैं इस कार्य में उन्हें लंबा समय लगता है लेकिन देखने में आया कि यहां पर शौचालय तो बना है लेकिन उसमें ताला जड़ा हुआ है ना तो इन लोगों के लिए पीने की बात के पानी की व्यवस्था है और ना ही बैठने के लिए कोई ऐसा कक्ष जहां पर भी पल भर गुजार सके।

मंडी प्रांगण में सफाई न होने के कारण आवारा पशु विचरण करते रहते हैं एवं दिनभर मल मूत्र विसर्जित करते हैं लेकिन यहां पर सफाई की स्थाई व्यवस्था न होने के कारण गंदगी से शराब और है इस संबंध में जिला प्रशासन से आग्रह किया गया है कि वह यहां पर आकर यहां की समुचित व्यवस्था को लेकर पहल करें। इतना ही नहीं गर्मी के बाद बारिश में पानी की निकासी न होने के कारण यहां पर पानी भर जाता है एवं कीचड़ हो जाने के कारण वहां तो दूर की बात लोगों को पैदल आवागमन में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसको लेकर भी कदम उठाया जाना जनहित में होगा।

डंपर की टक्कर से पिकअप अनियंत्रित होकर पलटी : 1 मृत, 4 घायल..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत रूपदोंन गांव के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने पिकअप को टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर से पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा पलटी।

इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। टक्कर मारने वाला डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना रविवार सुबह 10 बजे की है। पीएम के बाद दोपहर 3 बजे परिजनों ने मृतक का शव सड़क पर रखकर मंडला-लखनादौन मार्ग पर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

घंसौर की ओर जा रहे थे पिकअप सवार..

मिली जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन में सवार लोग अतरिया ग्राम से घंसौर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रूपदोंन गांव के पास सामने से आए डंपर वाहन ने पिकअप को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन सड़क से नीचे उतरकर गड्ढे में पलट गया। हादसे के बाद मौकेपर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण तत्काल सहायता के लिए पहुंचे।

हादसे में एक व्यक्ति की मौत, 4 घायल..

स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के एमएमटी मनीष रैकवार और चालक संदीप मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को वाहन से बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता प्रदान की और सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया,जबकि अन्य चार घायलों का इलाज जारी है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक की पहचान संतोष काकोडिया (20) के रूप में हुई है। घायलों में राहुल उइके (26), सतेंद्र आर्मो (21), हिमेश आर्मो (23) और शैलेंद्र शामिल हैं।

डंपर छोड़ मौके से फरार हुआ आरोपी ड्राइवर..

घटना की सूचना मिलते ही घंसौर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फरार डंपर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।

मंडला-लखनादौन मार्ग पर लगाया जाम..

ग्रामीणों ने मृतक का शव सड़क पर रखकर मंडला-लखनादौन मार्ग पर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। दरअसल, संबंधित डंपर वाहन झाबुआ पावर प्लांट में इस्तेमाल किया जा रहा था। पीएम के बाद दोपहर करीब 3 बजे ग्रामीणों ने मृतक का शव सड़क पर रखकर मंडला-लखनादौन मार्ग पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने घायलों के लिए 5-5 लाख रुपए और मृतक के परिजनों के लिए 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की। लगभग दो घंटे तक मार्ग बंद रहा। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार डंपर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर: पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्न्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी में सेमिनार आयोजित

जगप्रेरणा सिवनी।

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय, सतपुड़ा भवन भोपाल के आदेश के अंतर्गत आज 11 मई को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिवनी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, सिवनी के प्रोफेसर के. के. मेश्राम उपस्थित रहे। उन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए विकास पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि तकनीक ने मानव जीवन को अत्यंत सरल एवं सुविधाजनक बना दिया है। उन्होंने कंप्यूटर के विकास क्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि जहाँ पहले विशाल आकार के कंप्यूटरों का उपयोग किया जाता था, वहीं आज स्मार्ट मोबाइल फोन ने उन बड़े कंप्यूटरों का स्थान ले लिया है। उन्होंने देश की ऊर्जा आवश्यकताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास का आकलन प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपभोग के आधार पर किया जाता है, किन्तु ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग एवं दुरुपयोग के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया। साथ ही उन्होंने बताया कि टेक्नोलॉजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं मैथमेटिक्स जैसे विषयों के बिना अधूरी है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. हर्षा डेहरिया ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 11 मई 1998 को भारत ने सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व के छठे परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में तत्कालीन प्रधानमंत्री माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। तभी से प्रतिवर्ष 11 मई को पूरे देश में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर डॉ. मानसिंह बघेल ने कहा कि जो साधन समय एवं शक्ति की बचत करें, वही वास्तविक तकनीक है। उन्होंने तकनीकी विकास के उदाहरण स्वरूप चंडीगढ़ शहर को एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। डॉ. पवन कुमार वासनिक ने विगत वर्षो में ई-कॉमर्स की अभूतपूर्व प्रगति पर चर्चा करते हुए बताया कि आज ई-कॉमर्स के माध्यम से लोग घर बैठे अपनी आवश्यकताओं की वस्तुएँ सरलता से प्राप्त कर सकते हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रवि शंकर नाग के संरक्षण एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. हर्षा डेहरिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार वासनिक, डॉ. मानसिंह बघेल, प्रो. दिनेश कुमार चित्रिव, डॉ. एम.एल. चौधरी, डॉ. सीमा मर्सकोले, डॉ. मनोज टेमरे, डॉ. ज्योति गजभिए, डॉ. बसंत राव वासनिक, सुश्री सोनी सारस्वत, डॉ. प्रशांत पांडेय, श्रीमती भावना तिवारी, डॉ. मनीषा सोनकर, डॉ. कुंता ठाकरे, कु. छाया राय, शैलेंद्र जैन, डॉ. विशाल सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सिवनी जिले में नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षो की नियुक्ति..

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी एवं जिला प्रभारी सोहन वाल्मीकी की अनुशंसा एवं विधायक गणो की सहमति से सिवनी जिले में नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षो की नियुक्ति की गई है जिसमें बरघाट से सुनील अवधिया, केवलारी से विनोद मोदी, छपारा से सुरजीत सिसोदिया, लखनादौन से शीत तिवारी, घंसौर से आशीष मिश्रा, केदारपुर से सुनील अग्रवाल, सालीवाड़ा से अकरम कुरैशी, आदेगांव से राजेश तिवारी, धूमा से मनोज अग्रवाल एवं नागन देवरी से जितेन्द्र नामदेव का समावेश है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने सभी नवनियुक्त नगर कांग्रेस अध्यक्षो को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए अपेक्षा व्यक्त की है कि आप कांग्रेस पार्टी की नीतियों, सिद्धांतो और संगठनात्मक अनुशासन के अनुसार कार्य करते हुये नगर स्तर पर संगठन को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
मनोज सचदेव
मो. 94258-22975

उज्जैन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पर कार्रवाई के विरोध में

बालाघाट में किसान कांग्रेस ने पुलिस से छीना झपटी के बावजूद फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

किसानों की आवाज दबाने का लगाया आरोप..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट में सोमवार 11 मई को किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष भुरु पटेल के नेतृत्व में तथा जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार की प्रमुख उपस्थिति में किसान कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला जलाया। काली पुतली चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान बड़ी बात यह रही कि एक तरफ से नगरपालिका कर्मचारी पूतला फूंकने की स्थिति में प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारों के लिये तैयार थे, तो वहीं दूसरी तरफ पुलिस बल भी प्रदर्शनकारियों को पुतला दहन से रोकने के लिये तैयार था, बावजूद इसके किसान कांग्रेस कार्यकर्ता सफल हो गए और उन्होंने मुख्यमंत्री का पुतला जला ही डाला।

बोले भुरु पटेल..

किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष भुरू पटेल ने कहा कि किसान कांग्रेस उज्जैन के किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष के खिलाफ जिलाबदर की कार्यवाही की गई, और कई झूठे प्रकरण दर्ज किए गए है। इसी के विरोध में तथा किसानों के साथ सरकार की वादाखिलाफी से आक्रोशित होकर वे यह पुतला दहन कर रहे हैं।

बोले सम्राट सरसवार..

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने कहा कि भाजपा सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले किसानों से धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 रुपये करने का वादा किया था, लेकिन सरकार ढाई साल बीत जाने के बाद भी यह वादा पूरा नहीं कर रही है, जिससे कि किसान अपने आपको ठगा महसुस कर रहे हैं।

श्री सरसवार ने कहा कि कांग्रेस पूरी ताकत से किसानों की लडाई लडेगी, और सड़क से लेकर सदन तक सरकार को चैन नहीं लेने देगी। इस अवसर पर अंजु जायसवाल, जावेद अली, सुखदेव मुनि कुतराहे, अभय मोदी, प्रवीण मदनकर, डॉ. अमर बिसेन, मकसुद खान संहित बड़ी संख्या में किसान कांग्रेस के नेता उपस्थित थे।

सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलिटेक्निक में

अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट में 10 राज्यों के 154 खिलाड़ियों ने 'बिसात' पर चली 'शतरंज की चाल'

देशभर के खिलाड़ियों ने दिखाई दिमागी शक्ति, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने भी लिया हिस्सा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मंझापुर स्थित सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलिटेक्निक में रविवार सुबह से शाम तक देशभर के 154 खिलाड़ियों ने सफेद-काले रंग के चौकोर बिसात पर शतरंज की चाल चली।

'एसएमए मेमोरियल इंटरनेशनल रैपिड रेटिंग शतरंज स्पर्धा' में मध्य भारत सहित दस राज्यों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कॉलेज के हॉल में 77 टेबल सजी थीं, जहां खिलाड़ी ने 9 राउंड में सय और मात का खेल खेला। तर्क, दूरदर्शिता और रणनीतिक कौशल के प्रतीक शतरंज को प्रोत्साहित करने के लिए बालाघाट में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें ग्रैंड मास्टर, इंटरनेशनल मास्टर स्तर के खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया और अपना हुनर दिखाया, तथा मध्य प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों ने भाग लिया।

मध्य प्रदेश के 20 से अधिक जिलों के खिलाड़ियों ने अलग-अलग राउंड में प्रतिस्पर्धी कौशल को परखते हुए दमखम दिखाया। इस टूर्नामेंट के डायरेक्टर कार्तिक गिरी गोस्वामी, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी स्वप्निल खंडेलवाल, सतपुड़ा कॉलेज के संचालक संजीव मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे। खेल प्रेमी स्व. गोशेराम यादव और समाजसेवी स्व. राजकुमार खंडेलवाल की स्मृति में आयोजित इस स्पर्धा की खास बात रही कि इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों ने भी शिरकत की। 50 से अधिक देशों में 100 से ज्यादा पुरस्कार जीतने वाले कटनी के अक्षत खम्परिया स्पर्धा में शुरू से आगे रहे। ग्रैंड मास्टर श्रीराम झा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पुरस्कार में मेन केटेगरी में श्रीराम झा 21000 + ट्राफी , स्पर्श खंडेलवाल 12000 + ट्राफी , दिशांक सचिन बजाज 10000 + ट्राफी , अक्षत खम्परिया 7000 + मैडल , वैभव तोमर 5000 + मैडल, अवध चैतन्य 4000 + मैडल, गुप्ता प्रथम अर्पित 4000 + मैडल, वैभव नेमा 35000 + मैडल, विवेकानंद यादव 3500 + मैडल , दिव्यांश सिंह कटारिया 3000 + मैडल एवं 18 अन्य खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि के साथ मैडल वितरित किये गए। इस स्पर्धा में कुल 28 पुरस्कार दिए गए। अक्षत ने कहा कि शतरंज से बौद्धिक विकास होता है। तार्किक क्षमता बढ़ती है। खासकर ये खेल कम उम्र के बच्चों में सोचने-समझने की दृष्टि को ताकत देता है। बालाघाट में इस स्पर्धा का आयोजन वाकई अनुकरणीय है। बालाघाट के होनहार खिलाड़ी मंच मिलने से ये खेल आदिवासी अंचलों तक अपनी पहचान बनाएगा। अक्षत ने कहा- शतरंज बेहद कम खर्चीला खेल है। बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए सरकार को चाहिए कि शतरंज को पाठ्यक्रम में शामिल करें, जैसा तमिलनाडु और गुजरात की सरकार ने किया है। विजेता को एक लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।

टीएल बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

11 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के '

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जो शिकायतें एल-1 स्तर पर ÷नॉट अटेंडेड÷ पाई गईं, उनके एल-1 अधिकारियों का आधे दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। जिला कोषालय अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ÷नॉट अटेंडेड÷ शिकायतों वाले अधिकारियों का आधे दिन का वेतन काटे जाने के बाद ही शेष वेतन आहरित किया जाए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

सार्थक ऐप से उपस्थिति और योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उनके अधीनस्थ समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक ऐप के माध्यम से दर्ज की जाए और उसी के आधार पर वेतन आहरित किया जाए। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देश दिए गए कि आहार अनुदान योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति की सभी महिलाओं को अनुदान राशि दिलाना सुनिश्चित करें। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित युवाओं को बैंक से ऋण दिलाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाए।

कृषि, उद्यान और श्रम विभाग को कार्रवाई के निर्देश

बैठक में सहायक संचालक उद्यान को निर्देशित किया गया कि लांजी विकासखंड के अंतर्गत अमेडा नर्सरी का उचित संधारण नहीं होने के कारण वहां के प्रभारी अधिकारी पर कार्रवाई हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करें। उपसंचालक कृषि को निर्देश दिए गए कि जिले के सभी कृषि फार्मों में जिले के औसत उत्पादन के अनुसार फसल उत्पादन सुनिश्चित किया जाए। जिन फार्मों में जिले के औसत से कम उत्पादन पाया गया है, उनके प्रभारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाए। जिला श्रम पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले के विभिन्न स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों एवं वहां कार्यरत श्रमिकों की मैपिंग कर उनका श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन कराया जाए तथा संबंधित ठेकेदारों से अंशदान जमा कराया जाए। श्रमयोगी मानधन योजना के पंजीयन एवं अन्य कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण बैहर एवं बिरसा के श्रम निरीक्षक दीपक डहरवाल पर कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग और जल संरक्षण पर जोर

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों, महिला एवं बाल विकास विभाग, जन अभियान परिषद, स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिले के सभी सांदीपनि विद्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने के निर्देश भी दिए गए।

जनगणना और स्वच्छता सर्वेक्षण की समीक्षा

जनगणना-2027 के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी चार्ज अधिकारियों को अपने क्षेत्र में मकान सूचीकरण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण पर विशेष ध्यान देने तथा अपनी रैंकिंग में सुधार लाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश भी दिए गए।

लोक सेवा आयोग परीक्षा में बालाघाट के 7 संविदा चिकित्सकों का चयन

किरनापुर के प्रभारी बीएमओ डॉ. वर्ष चौबे ने प्रदेश में हासिल की 8 वीं रैंक..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के स्वास्थ्य विभाग के लिए गौरव की बात है कि जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा आधार पर सेवाएं दे रहे 7 चिकित्सा अधिकारियों का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियमित चिकित्सा अधिकारी (एमबीबीएस) पद के लिए हुआ है।

हाल ही में जारी मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के परिणामों में जिले के इन चिकित्सकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नियमित चिकित्सा सेवा में स्थान प्राप्त किया है। इनमें किरनापुर के प्रभारी बीएमओ डॉ. वर्ष चौबे ने पूरे प्रदेश में 8वीं रैंक हासिल कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। वहीं लालबर्रा की प्रभारी बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे का भी चयन नियमित चिकित्सा सेवा के लिए हुआ है। नियमित सेवा के लिए चयनित चिकित्सकों में डॉ. वर्ष चौबे, डॉ. रौशनी नागदेवे, डॉ. अंकित खरोले, डॉ. प्रिया मोरोपे, डॉ. करिश्मा सिल्हारे, डॉ. परितोष शुक्ला एवं डॉ. रितु धुर्वे शामिल हैं। इनमें से कई चिकित्सक मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संविदा अथवा बांड के आधार पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं या पूर्व में दे चुके हैं। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में इन चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने चयनित सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए इसे जिले के लिए उपलब्धि बताया है। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य संचालनालय भोपाल द्वारा चयनित चिकित्सकों की पदस्थापना के लिए पृथक आदेश जारी किए जाएंगे, जिसके बाद उन्हें प्रदेश की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में नियमित चिकित्सा अधिकारी के रूप में सेवाएं प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

जगप्रेरणा बालाघाट।

शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट (म.प्र.) में 11 मई 2026 को प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में आई.क्यू.ए.सी., स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं भौतिक शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक तकनीक एवं उसके अनुप्रयोगों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 11:30 बजे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से विषय विशेषज्ञ श्री पलास तिवारी द्वारा ÷श्वद्दद्दह्द्दठ्ठद्द ञ्चद्दष्द्धठ्ठशद्यशद्दद्दह्य स्द्धड्डश्चद्धठ्ठद्द ह्द्धद्द स्नह्व-ह्वह्वह्द्द÷ विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस से संबंधित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलगुरु प्रोफेसर इंद्र प्रसाद त्रिपाठी उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार मराठे, प्राचार्य प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस बालाघाट तथा श्री सुशील पटवा, स्पोर्ट्स ऑफिसर छिंदवाड़ा मौजूद रहे। कुलगुरु प्रो. त्रिपाठी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए तकनीक के महत्व एवं उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. अशोक कुमार मराठे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की महत्ता और उसके उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए छात्राओं को प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों एवं उसके बढ़ते महत्व के बारे में प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी ज्ञान आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और छात्राओं को इस क्षेत्र में आगे बढने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुनील कुमार मासुलकर एवं डॉ. दीपरत्ना मासुलकर का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दीप्ति गढ़पाले, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र द्वारा किया गया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. स्वाति खोब्रागड़े, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी द्वारा किया गया।

॥ श्री जीणमाता की जय ॥
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
॥ जय गुलाब बाबा नमः ॥
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी

मो. 84353 19391

बालाघाट जिले का मध्यप्रदेश शासन के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान, विकास और रोजगार को मिली नई गति..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध बालाघाट जिला प्रदेश के राजस्व में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान देकर अपनी अलग पहचान बना रहा है।

घने वन, विशाल खनिज संपदा और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर यह जिला राज्य शासन के आर्थिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहा है। विशेष रूप से खनिज संपदा के क्षेत्र में बालाघाट की स्थिति प्रदेश के अग्रणी जिलों में मानी जाती है, जहां से शासन को प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त हो रहा है।

जानकारी के अनुसार बालाघाट जिले में वन संपदा के साथ-साथ मैंगनीज, कॉपर, रेत सहित अनेक खनिजों के भंडार मौजूद हैं। जिले के विस्तृत भू-भाग में खनन गतिविधियां नियमानुसार संचालित की जा रही हैं, जिससे राज्य शासन की आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025 में जिले से रेत खनन के माध्यम से शासन को पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 43 करोड़ रुपये अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है, जो जिले की आर्थिक क्षमता को दर्शाता है।

वर्तमान समय में जिले के 13 रेत घाटों की नीलामी पूर्ण हो चुकी है, जबकि 10 अन्य रेत घाटों की नीलामी प्रक्रिया प्रगति पर है। इससे न केवल शासन के राजस्व में बढ़ोतरी की संभावना है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

खनिज क्षेत्र में विकास को गति देने में जिला प्रशासन की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कलेक्टर मृणाल मीना की व्यक्तिगत रुचि और प्रशासनिक पहल के चलते भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत संचालित मॉयल लिमिटेड तथा भारी उद्योग विभाग के अधीन आने वाली हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड को नई खनन लीज और पर्यावरणीय स्वीकृतियों से जुड़ी जटिलताओं को दूर करने में सहायता मिली। इसके परिणामस्वरूप इन खदानों के उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जिसका सीधा लाभ राज्य शासन के राजस्व को मिला है।

केवल खनिज ही नहीं, बल्कि आबकारी विभाग के माध्यम से भी जिले ने उल्लेखनीय आर्थिक उपलब्धि हासिल की है। शराब के नए ठेकों से प्राप्त आय में भी पिछले वर्ष की तुलना में कई करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है, जिससे शासन के राजस्व को अतिरिक्त मजबूती मिली है।

बालाघाट जिले में रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा समय-समय पर विभिन्न निजी कंपनियों और औद्योगिक संस्थानों के माध्यम से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है। इसका सकारात्मक प्रभाव यह देखने को मिल रहा है कि जिले के अनेक युवा वर्तमान में निजी कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त बन रहे हैं। रोजगार के अवसर बढ़ने से जिले के युवाओं में आत्मनिर्भरता की भावना भी मजबूत हुई है।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर भी जिला प्रशासन की सक्रियता आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रमों में लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना जा रहा है तथा उनके निराकरण के लिए त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसका लाभ आम नागरिकों को सहजता से मिल रहा है, जिससे प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हुआ है।

विशेष बात यह है कि कलेक्टर मीना स्वयं जिले के दूरस्थ और सुदूर ग्रामीण अंचलों का दौरा कर वहां की जमीनी स्थिति का आकलन करते हैं। वे ग्रामीणों की समस्याओं को समझते हुए शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है और आमजन में प्रशासन के प्रति संतोष का भाव बढ़ा है।

बालाघाट जिला अब नक्सल प्रभाव से मुक्त होकर विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे क्षेत्रों में, जो कभी नक्सली गतिविधियों के कारण विकास से वंचित थे, अब विशेष विकास प्रस्ताव तैयार कर आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व में इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने और विकास की नई किरण पहुंचाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

कुल मिलाकर, बालाघाट जिला प्रदेश के राजस्व को सुदृढ़ करने, रोजगार सृजन, प्रशासनिक सक्रियता और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन की अपेक्षाओं पर खरा उतरता दिखाई दे रहा है। यह न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि राज्य शासन के आर्थिक और विकासात्मक दृष्टिकोण से भी एक सुखद संकेत माना जा रहा है।

अलीराजपुर से लेकर मांडव तक स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज का हुआ भव्य स्वागत..

25 करोड़ सदस्य बनाकर हम सन्त संसद की स्थापना करेगें - स्वामी स्वदेशानंद

जगप्रेरणा बैहर।

अंतर्राष्ट्रीय सन्त बौद्धिक मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी स्वदेशानन्द ब्रह्म गिरि महाराज अपने साथियों शहडोल संभाग के अध्यक्ष रामनारायण मिश्रा, सुखलाल तुरकर, निरंजन शर्मा, राकेश शर्मा, श्याम सूर्यवंशी, मेहतलाल कटरे,

श्रीमती मंजू यूईके आदि साथियों के साथ एक मई से नर्मदा परिक्रमा में जब वे अलीराजपुर पहुंचे तो नरेन्द्र मोदी विचार मंच महिला शाखा की मालवा प्रान्त की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा जी के नेतृत्व में परिक्रमा वासियों को पुष्प हारों तथा शाल श्रीफल से स्वागत किया गया। धार में अंतर्राष्ट्रीय सन्त बौद्धिकटी मंच के प्रदेश अध्यक्ष राजा भाऊ भदाने के नेतृत्व में तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरदार सिंह मेढा की उपस्थिति में सैकड़ों पदाधिकारियों ने पुष्प हारों से और भगवा वस्त्र देकर स्वागत किया। रानी रूपमती की नगरी मांडव में भगवान चतुर्भुज श्री राम मन्दिर में महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री की प्रमुख उपस्थिति में सत्संग का कार्यक्रम हुआ। स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज के नेतृत्व में किए जा रहे मां नर्मदा परिक्रमा का 11 वा दिन है। स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज ने बताया कि 14 दिनों में ये यात्रा हम पूरी कर अमरकंटक में समापन करेगें। नर्मदा परिक्रमा का उद्देश्य मां नर्मदा मैया से आशीर्वाद प्राप्त कर आने वाले समय में ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर किए जाने भारत माता परिक्रमा को सफल बनाने के उद्देश्य से नर्मदा परिक्रमा कर रहें हैं।

भारत माता परिक्रमा का उद्देश्य रहेगा भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना, गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान दिलाना, साधु सन्तों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाना, लव जिहाद पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने विशेष कानून बनाना, धर्मांतरण रोकने के लिए विशेष कानून बनाना आदि ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर भारत माता परिक्रमा किया जायेगा। आपने कहा कि हम दशहरा के प्रथम दिन से ही हम पुनः मां नर्मदा जी की परिक्रमा करेगें। तीन बार मां नर्मदा जी के आशीर्वाद से मां नर्मदा जी की परिक्रमा करेगें।

बेटे को खोने के दर्द से उबरी भुवनेश्वरी उमरे, अब सैकड़ों महिलाओं की बनीं उम्मीद

बालाघाट की 'लखपति दीदी' ने बदल दी पूरे गाँव की तस्वीर

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट के लांजी जनपद के छोटे से ग्राम करेजा में रहने वाली भुवनेश्वरी उमरे की कहानी केवल एक महिला की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, आत्मविश्वास और समाज परिवर्तन की ऐसी मिसाल है, जो हर ग्रामीण महिला को नई प्रेरणा देती है।

सामान्य ग्रामीण परिवार से आने वाली भुवनेश्वरी उमरे की जिंदगी कभी खेती और परिवार तक ही सीमित थी। दसवीं तक शिक्षित भुवनेश्वरी अपने परिवार के साथ साधारण जीवन जी रही थीं। लेकिन अचानक आई एक ऐसी त्रासदी ने उनकी दुनिया ही बदल दी। उनके 19 वर्षीय बेटे का असमय निधन हो गया।

एक माँ के लिए यह दुख असहनीय था। बेटे के जाने के बाद भुवनेश्वरी पूरी तरह टूट चुकी थीं। घर में सन्नाटा था, मन में गहरी निराशा थी और जिंदगी जैसे थम सी गई थी। परिवार और गाँव के लोग उन्हें संभालने की कोशिश करते रहे, लेकिन एक माँ के दर्द को शब्दों में बांध पाना आसान नहीं था। लेकिन कहते हैं कि मजबूत इरादे सबसे कठिन अंधेरे को भी रोशनी में बदल देते हैं। भुवनेश्वरी ने भी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने टूटे हुए मन को फिर से संभाला और जीवन को नई दिशा देने का निर्णय लिया। इसी दौरान वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ह्क्ररुरू) से जुड़ीं। समूह गतिविधियों और आजीविका कार्यों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत किया। धीरे-धीरे उन्होंने खुद को समाज सेवा और खेती के कार्यों में पूरी तरह समर्पित कर दिया। उन्होंने श्क्करूयह योजना और प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण लिया।

सीखने की लगन और मेहनत ने उन्हें जल्द ही गाँव की महिलाओं के बीच एक नई पहचान दिला दी। आज भुवनेश्वरी उमरे ÷कृषि सखी÷, ÷प्राकृतिक खेती मास्टर ट्रेनर÷ और ग्रामीण महिलाओं की प्रेरणा बन चुकी हैं।

कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (ष्टक्रक्क) के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने लगभग 250 स्व-सहायता समूहों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को संगठित करती हैं, उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती हैं और आजीविका से जोडने् का कार्य करती हैं। भुवनेश्वरी दीदी नियमित रूप से ÷कृषि पाठशाला÷ और ÷पशुपाठशाला÷ का आयोजन कर किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी देती हैं। उनके प्रयासों का असर यह हुआ कि आज उनके गाँव के अधिकांश किसान प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ चुके हैं। उन्होंने स्वयं आटा चक्की संचालन का कार्य शुरू किया, जिससे परिवार की आय में वृद्धि हुई।

इसके साथ ही वे उत्पादक समूह (क्क त्र) बनाकर महिलाओं और किसानों को सामूहिक व्यवसाय से जोड़ रही हैं। आज उनकी वार्षिक आय लगभग ढाई लाख रुपये तक पहुँच चुकी है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि केवल आर्थिक सफलता नहीं है। उनकी असली सफलता यह है कि जिस महिला ने कभी अपने बेटे को खोने के बाद जीवन से उम्मीद छोड़ दी थी, वही आज सैकड़ों महिलाओं और किसानों को जीने की नई उम्मीद दे रही है।गाँव की महिलाएँ उन्हें केवल ÷दीदी÷ नहीं, बल्कि अपने संघर्ष और सफलता की प्रेरणा मानती हैं।

भुवनेश्वरी उमरे कहती हैं- 'मैंने जीवन में बहुत बड़ा दुख देखा है। एक समय ऐसा था जब मुझे लगता था कि अब कुछ नहीं बचा। लेकिन आजीविका मिशन, खेती और समाज के साथ काम करने से मुझे जीने की नई ताकत मिली।

आज जब गाँव की महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं और किसान प्राकृतिक खेती अपना रहे हैं, तब लगता है कि मेरा जीवन फिर से सफल हो गया।' आज भुवनेश्वरी उमरे आत्मनिर्भर भारत, महिला सशक्तिकरण और प्राकृतिक खेती की जीवंत मिसाल बन चुकी हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि अगर दर्द को संकल्प में बदल दिया जाए, तो एक महिला पूरे गाँव की तस्वीर बदल सकती है। भुवनेश्वरी उमरे जैसी ÷लखपति दीदी÷ आज उस नए ग्रामीण भारत की पहचान हैं, जहाँ महिलाएँ अब केवल घर तक सीमित नहीं, बल्कि बदलाव की अगुवाई कर रही हैं।

मोती तालाब से खरपतवार और कचरा हटाने का अभियान तेज..

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका ने चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट नगर में जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत सोमवार को मोती तालाब एवं गार्डन परिसर में व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर के प्रमुख जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, स्वास्थ्य सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उइके विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुबह से प्रारंभ हुए इस विशेष सफाई अभियान के दौरान मोती तालाब परिसर, गार्डन क्षेत्र, घाटों एवं आसपास के मार्गों की गहन सफाई की गई। नगर पालिका के सफाई दल ने तालाब किनारे फैले प्लास्टिक कचरे, पॉलीथिन, सूखी पत्तियों एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया। इसके साथ ही तालाब में फैली जलकुंभी और खरपतवार को निकालकर जल स्रोत को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने का प्रयास किया गया। अभियान के दौरान नगर पालिका की टीम ने नागरिकों को गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण, प्लास्टिक उपयोग कम करने तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में भी जानकारी दी।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों से शहर और जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। स्वास्थ्य सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है और इसके लिए जन भागीदारी आवश्यक है। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उइके ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन के लिए नगर पालिका लगातार विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां संचालित कर रही है तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से तालाबों के संरक्षण और जल संवर्धन पर विशेष कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता मित्र, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर अभियान में सहभागिता निभाई। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ शहर और स्वच्छ जल स्रोत ही स्वस्थ समाज एवं सुरक्षित पर्यावरण की आधारशिला हैं। नगर पालिका परिषद ने भविष्य में भी ऐसे स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान लगातार चलाने की बात कही हैं।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड एवं जिला स्तरीय निगरानी समिति की संयुक्त बैठक 13 मई को..

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारत सरकार सहायतित ÷सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (स्रूश्व) 'आत्मा'÷ अंतर्गत आत्मा गवर्निंग बोर्ड एवं नेशनल मिशन ऑफनेचुरल फार्मिंग के तहत जिला स्तरीय निगरानी समिति (छ्ररुरूष्ट) की संयुक्त बैठक का आयोजन 13 मई 2026, बुधवार को किया जाएगा।

बैठक का आयोजन प्रातः 11:00 बजे से कलेक्टर एवं सह-पदेन अध्यक्ष, गर्वनिंग बोर्ड आत्मा श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया जाएगा।

बैठक में कृषि विस्तार योजनाओं, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को दी जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों एवं समिति सदस्यों से निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें.. मो. 9329033433

।। आम सूचना ।।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भुमेश्वरी पति चेतराम, जाति ढीमर, निवासी ग्राम मंगोलीकला, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा अपनी माता पार्वती पति रूपचंद की मृत्यु दिनांक 24/06/1995 को ग्राम बगड़मारा में होना बताया गया है। किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय बगड़मारा में जानकारी के अभाव में उक्त मृत्यु का पंजीयन समय पर दर्ज नहीं हो सका।

अतः आवेदक द्वारा जन्म/मृत्यु का विलंबित पंजीयन कराए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 20/05/2026 तक स्वयं अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से तहसील कार्यालय किरनापुर, जिला बालाघाट में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

सोने, चांदी व हीरे जड़ित
आभूषणों के निर्माता व विक्रेता
शुद्धता और विश्वास की अनूठी परंपरा
गणपति ज्वेलर्स
महावीर चौक, मेन रोड, बालाघाट मो. 9893129013

दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार
एवं विज्ञापन प्रकाशन
हेतु संपर्क करें..
गौरव अग्रवाल कटंगी
मो. 7974944900

पत्रकारों की समस्याओं एवं अधिकारों को लेकर पत्रकार संघ की बैठक संपन्न..

पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं पर हुई विस्तृत चर्चा..

जगप्रेरणा कटंगी।

स्थानीय रेस्ट हाउस में मंगलवार को वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गनाइजेशन(राष्ट्रीय पत्रकार संघ) की कटंगी तहसील इकाई द्वारा पत्रकारों की समस्याओं, अधिकारों एवं संगठन की मजबूती को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में क्षेत्र के अनेक पत्रकारों ने सहभागिता करते हुए पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के समक्ष आ रही चुनौतियों पर चर्चा कर उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करना रहा।

बैठक की अध्यक्षता पत्रकार संघ जर्नलिस्ट गण के अध्यक्ष राकेश शर्मा ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है, जो दिन-रात मेहनत कर आम जनता की समस्याओं को शासन और प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें सुरक्षा की कमी, आर्थिक अस्थिरता, सामाजिक दबाव तथा निष्पक्ष पत्रकारिता में आने वाली बाधाएं प्रमुख हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं छोटे नगरों में कार्यरत पत्रकार सीमित संसाधनों में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सुविधाएं एवं सम्मान नहीं मिल पा रहा है। कई बार पत्रकारों को सच सामने लाने पर मानसिक दबाव एवं धमकियों का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। अध्यक्ष श्री शर्मा ने सुझाव देते हुए कहा कि पत्रकारों को एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाना होगा, ताकि पत्रकार हितों की आवाज प्रभावी रूप से शासन-प्रशासन तक पहुंचाई जा सके।

उन्होंने पत्रकारों से निष्पक्ष, निर्भीक एवं जिम्मेदार पत्रकारिता करने का आह्वान भी किया। साथ ही युवा पत्रकारों को पत्रकारिता के मूल्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहने की बात कही।

बैठक में उपस्थित अन्य पत्रकारों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पत्रकारों के लिए पहचान पत्र, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाएं, बीमा एवं पत्रकार कल्याण योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग उठाई। बैठक के दौरान पत्रकारों की एकता और संगठनात्मक मजबूती पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पत्रकारों ने पत्रकार हितों की रक्षा एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

ये रहे उपस्थित

पत्रकार संघ के राकेश शर्मा, संजय अग्रवाल, संदीप शर्मा, मनीष चौकसे, अमित जैन, गोविंद शुक्ला, आबिद खान, साकेत मिश्रा, छवि मरठे, अशफाक खान, राहुल भूरे रवि कौड़ा, हर्ष शर्मा एवं अन्य सभी पदाधिकारी, एवं सदस्य उपस्थित रहे!

जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने ग्राम लोहमारा में हुआ श्रमदान..

जगप्रेरणा कटंगी।

प्रदेशभर में संचालित ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के द्वितीय चरण के अंतर्गत ग्राम लोहमारा में जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के संवर्धन को लेकर व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली। जिला कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला समन्वयक सुशील बर्मन के निर्देशन तथा विकासखंड

समन्वयक सुरेंद्र भगत के नेतृत्व में ग्राम स्थित तालाब परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं, नवांकुर संस्था अभ्युदय सामाजिक विकास संस्था, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने मिलकर तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर जल स्त्रोत संरक्षण का संदेश दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि यह तालाब गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों और मवेशियों के लिए महत्वपूर्ण जल स्त्रोत के रूप में उपयोगी साबित होता है। श्रमदान के पश्चात ग्रामीणों के साथ ÷जल चौपाल÷ का आयोजन किया गया, जिसमें जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों में जल के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करना रहा। जल चौपाल में सोख्ता गड्ढों के निर्माण, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा नई जल संरचनाओं के निर्माण जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए समाज की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। केवल शासकीय प्रयासों से नहीं, बल्कि सामुदायिक भागीदारी से ही जल संरक्षण को स्थायी रूप दिया जा सकता है। उन्होंने जल को जीवन का आधार बताते हुए इसके संतुलित एवं जिम्मेदार उपयोग पर बल दिया। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के विभिन्न उद्देश्यों जैसे तालाबों एवं कुओं का पुनर्जीवन, भूजल स्तर बढ़ाने के प्रयास, जल स्त्रोतों की सुरक्षा एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने पर भी विशेष चर्चा हुई। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत, अभ्युदय सामाजिक विकास संस्था के अध्यक्ष संदीप शर्मा, परामर्शदाता अरविंद दड़वड़े, सरपंच सुंदरलाल बिझाड़े, पंच सुंदरलाल बाहें, सोहन गाडेकर, पूर्व बीडीसी संतोष बाहें, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती दामिनी बारापात्रे, करण देवाहे, तेजस हरदे, क्रिश मातरे, अरुण देवाहे सहित सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी सुंदर हरदे, प्रीति वाघाडे, आशु राउडगढ़े एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वारासिवनी कासपुर मार्ग खस्ताहाल-विक्रम देशमुख

जगप्रेरणा वारासिवनी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 11 विक्रम देशमुख द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित मार्ग वारासिवनी-मदनपुर,-कासपुर मार्ग लंबाई 9.05 चरूके बी.टी. सेक्शन में व्याप्त गड्ढे और संधारण कार्य नहीं किए जाने की शिकायत की गई थी।

उक्त सड़क के मेंटेनेंस कार्य का ठेका श्री मोहिनी कंस्ट्रक्शन,कामठी,नागपुर को दिया गया था, जिसकी अवधि दिनांक 04/02/22 से 04/02/27 तक और लागत 19.49 लाख है।

विक्रम देशमुख द्वारा वारासिवनी-कासपुर मार्ग की मरम्मत हेतु की गई शिकायत के जवाब में बताया गया कि,संधारण कार्य के लिए अधिकृत ठेकेदार श्री मोहिनी कंस्ट्रक्शन नागपुर का पैकेज ठेका 25/09/25 को मेंटेनेंस कार्य नहीं किए जाने के आरोप में निरस्त कर दिया गया था।

किंतु ठेकेदार द्वारा मुख्य महाप्रबंधक, म.प्र.ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, जबलपुर को प्रस्तुत आवेदन और सुनवाई उपरांत उसका ठेका अनुबंध आश्चर्यजनक रूप से 31/10/25 को पुनर्जीवित कर दिया गया था। किंतु वर्तमान में ठेकेदार द्वारा पूर्वानुसार पैकेज के मार्गों में संधारण कार्य नहीं किया जा रहा है। पैकेज की अनुबंधानुसार पूर्णता दिनांक 03/02/27 है। पैकेज का ठेका अनुबंध निरस्त करने एवं आगामी संधारण कार्य हेतु पैकेज की निविदा आमंत्रण की कार्रवाई का प्रचलित होना बताया गया है। ज्ञात हो कि उक्त मार्ग से ग्राम मदनपुर, कासपुर, एकोड़ी, आलेझरी, दंदुटोला, उमरटोला, केरा, भांडी, पिपरिया, वाराटोला,कायदी के ग्रामीणजन रोजाना आना-जाना करते हैं।ग्राम कासपुर सरपंच श्री फकीरचंद देशमुख एवं अन्य ग्रामीणों ने एक स्वर में इस मार्ग के गड्ढे शीघ्र भरे जाने की मांग रखी है।

नन्हे दिलों को मिली नई उम्मीद

बालाघाट से हृदय रोग पीड़ित 15 बच्चों को उपचार के लिए भेजा गया जबलपुर और मुंबई

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट में एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशील पहल ने कई परिवारों के चेहरों पर उम्मीद की मुस्कान लौटा दी है। हृदय रोग से पीड़ित 15 बच्चों के बेहतर उपचार के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयासों के तहत बच्चों को विशेषज्ञ

चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जबलपुर और मुंबई भेजा गया। यह पूरी कार्यवाही कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत 2 मई को बैहर तथा 8 मई को जिला चिकित्सालय बालाघाट स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (छ्श्वढ्ढष्ट) में विशेष हृदय रोग शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बच्चों की जांच की गई, जिसमें 34 बच्चों को सर्जरी एवं विशेष उपचार के लिए चिन्हित किया गया।

इसी क्रम में आज 14 बच्चों को उपचार एवं सर्जरी के लिए जबलपुर भेजा गया, जबकि एक गंभीर रूप से पीड़ित बच्चे को उन्नत उपचार हेतु नारायण हृदयालय मुंबई रेफर किया गया। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि इन बच्चों का उपचार पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा। 15 बच्चों में से 10 बच्चों का इलाज आयुष्मान योजना के अंतर्गत होगा, जबकि शेष 5 बच्चों का उपचार मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत कराया जाएगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. निलय जैन ने बताया कि सभी बच्चों और उनके परिजनों को सुबह 10 बजे डीईआईसी केंद्र में बुलाया गया, जहां उन्हें स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए तथा उपचार संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। इस दौरान जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक राजाराम चक्रवर्ती सहित डीईआईसी का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों ने बच्चों एवं उनके परिजनों का उत्साहवर्धन करते हुए भरोसा दिलाया कि इलाज के दौरान हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

यह पहल न केवल गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों के लिए नई जिंदगी की उम्मीद लेकर आई है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि संवेदनशील प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वित प्रयास से जरूरतमंद परिवारों तक समय पर उपचार पहुंचाया जा सकता है।

Tha Court Of Civil Judge Class-I, Civil Court Warasivni, District Court, Balaghat

Presiding Officer : ऋषभ डोनल सिंह

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MIC SUC/000007/2026)
विनोद डहाके ---------- आवेदक
Vs
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ----- अनावेदक

Process Id - 74/2026
पेशी दिनांक - 16/06/2026

प्रेषिति-
(1) आम जनता पता निरंक

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद डहाके पता खापा ग्राम खापा(पिंडकेपार) तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट मध्यप्रदेश पिता स्व. भैयालाल डहाके विदर्भ टोबोको प्रा. लि. कम्पनी शाखा भोरगढ़ तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट में बिड़ी बनाने का काम करते तथा सेवानिवृत्त होने के पश्चात स्व.भैयालाल डहाके को भविष्य निधि जबलपुर के खाता नं.क्कक्क22874 के तहत 889/- प्रतिमाह पेंशन प्राप्त होती थी।उक्त खाते में से मृतक स्व.भैयालाल डहाके को 800 रुपए पेंशन प्राप्त होती थी तथा भविष्य निधि बीमा के रूप में 89 रुपए उक्त राशि में से कटता था जो मृतक के भविष्य निधि फंड में जमा होते रहता था। यह कि आवेदकगण स्व.भैयालाल डहाके के विधिक उत्तराधिकारीगण हैं स्व.भैयालाल डहाके की मृत्यु दिनाँक 14/09/2025 को हो चुकी हैं तथा उनकी पत्नी स्व.लीलाबाइ डहाके की मृत्यु स्व.भैयालाल डहाके के पूर्व दिनांक 07/07/2017 को हो चुकी हैं।जिसकी बिमित राशि/सम्पति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया हैं जिसकी सुनवाई दिनाँक 16 छ्वह्वठ्ठद्ग 2026 को नियत हैं। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किए जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता है तो पेशी दिनांक 16 छ्वह्वठ्ठद्ग 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे।सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जाएँगा। यह आज तारीख 25 अप्रैल 2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया हैं।

ऋषभ डोनल सिंह
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ट खण्ड
वारासिवनी जिला बालाघाट

2218 किसानों से 15.84 करोड रुपए से अधिक की हुई गेहूँ खरीदी

अब तक 60 हजार 356 क्विंटल गेहूँ की हुई खरीदी

जगप्रेरणा बालाघाट।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में कलेक्टर श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य किया जा रहा हैं। चालू सीजन में जिले के 2218 किसानों से 60 हजार 356 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है।

किसानों को 08 करोड़ 44 लाख रुपये से अधिक की राशि का भुगतान कर दिया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर के ठाकुर ने बताया कि बालाघाट जिले में किसानो से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी के लिए 13 केंद्र बनाये गए है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए जिले के 4388 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इनमें से 2912 किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए अपना स्लाट बुक करा चुके है। जिले के सभी 13 केंद्रो पर 15 अप्रैल 2026 से गेहूं की खरीदी प्रारंभ कर दी गई है।

11 मई तक जिले के 2218 किसानों से 15 करोड 84 लाख 34 हजार 500 रुपए के 60 हजार 356 क्विंटल गेहूँ की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। किसानों को अब तक 08 करोड 44 लाख रुपए की राशि का भुगतान कर दिया गया है और यह राशि किसानों के बैंक खाते में पहुंच चुकी है। इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य बोनस सहित 2625 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित है। सभी खरीदी केन्द्रों पर किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए छाया, पानी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थायें की गई है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे.. मो. 9329033433

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा
मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

रवि अजीत किरनापुर
मो. 6261142145

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

हार्वेस्टर प्रभारियों की एस डी एम ने ली बैठक..

पराली प्रबंधन, एस एम एस सिस्टम लगाने के दिए निर्देश

जगप्रेरणा लांजी।

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कमलचंद सिंहसार की अध्यक्षता में सोमवार को अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी के कार्यालय में हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण मंत्रालय के आदेश का हवाला देते हुए सभी हार्वेस्टरों में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम **(SMS)** अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी खुदीराम सनोडिया, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, कृषि विस्तार अधिकारी अमित नारनौरे सहित बड़ी संख्या में हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिक मौजूद रहे।

अधिकारियों का सख्त रुख..

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कमलचंद सिंहसार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार हार्वेस्टर के पीछे स्ट्रॉ (पराली) प्रबंधन यंत्र लगा होना अनिवार्य है। सभी हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिकों को कृषि विभाग में पंजीयन कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा, **SMS** सिस्टम न लगाने की स्थिति में की जाने वाली कार्यवाही के लिए आप स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।

हार्वेस्टर मालिकों की दिक्कत..

हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिकों ने बैठक में समस्या बताते हुए कहा कि स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम **SMS** पंजाब से मंगवाने में 1 से 1.5 महीने का समय लग जाएगा। उन्होंने इस बात की जानकारी अधिकारियों को दी कि सिस्टम अभी उपलब्ध नहीं है और आने में विलंब हो रहा है।

कृषि विभाग की पहल..

कृषि अधिकारियों ने सभी हार्वेस्टर मालिकों को तुरंत पंजीयन पूरा करने और **SMS** सिस्टम लगाने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग पूरी तरह गंभीर है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पूर्वाटोला, टेकरी के वंचित हितग्राहियों को 10 वर्ष बाद मिलेगा आवास योजना का लाभ

नए आवास सर्वेक्षण से जागी उम्मीदें..

जगप्रेरणा लांजी।

जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत पूर्वाटोला और टेकरी के उन गरीब एवं पात्र परिवारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है, जो वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ का इंतजार कर रहे थे। लंबे समय तक तकनीकी खामियों, अपूर्ण सूचियों और प्रशासनिक विसंगतियों के कारण योजना से वंचित रहे परिवारों में अब वर्ष 2024 के नए आवास सर्वेक्षण ने नई उम्मीद जगा दी है। प्रशासनिक अधिकारियों के हालिया दौरे के बाद ग्रामीणों को भरोसा है कि अब उनका पक्के घर का सपना जल्द साकार हो सकेगा। जानकारी के अनुसार वर्ष 2016 में 2011 की सामाजिक-आर्थिक जनगणना के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची तैयार की गई थी।

उस समय ग्राम पंचायत पूर्वाटोला के अनुसूचित जाति वर्ग के कई पात्र परिवारों के नाम सूची में शामिल ही नहीं किए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे उन्हें वर्षों तक योजना का लाभ नहीं मिल सका। इस मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगातार मांग और शिकायतें भी की गईं। इसके बाद वर्ष 2018-19 में 'आवास प्लस' अभियान के माध्यम से छूटे हुए नाम जोडने् की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन तकनीकी त्रुटियों और पोर्टल संबंधी समस्याओं के कारण अधिकांश नाम रिजेक्ट श्रेणी में चले गए। परिणामस्वरूप पात्र परिवार आज तक कच्चे और जर्जर मकानों में जीवनयापन करने को मजबूर हैं। सिर्फ पूर्वाटोला ही नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत टेकरी के भी कई परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पाने से वंचित हैं।

वर्तमान में दोनों पंचायतों के करीब दो दर्जन परिवार ऐसे बताए जा रहे हैं, जिनके पास आज भी रहने के लिए पक्का मकान नहीं है। बारिश और गर्मी के मौसम में इन परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

2024 के नए सर्वेक्षण से बढ़ी उम्मीद....

हाल ही में हुए वर्ष 2024 के आवास सर्वेक्षण में स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। इस बार उन सभी पात्र अनुसूचित जाति परिवारों के नाम सूची में शामिल किए गए हैं, जो पिछले कई वर्षों से योजना के दायरे से बाहर थे। ग्रामीणों का कहना है कि पहली बार सर्वेक्षण में वास्तविक स्थिति को गंभीरता से दर्ज किया गया है।

प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, नए सर्वे के आधार पर पात्र हितग्राहियों को आगामी चरण में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने की पूरी संभावना है। इससे वर्षों से पक्के घर की आस लगाए बैठे परिवारों में उत्साह का माहौल है।

इसी तारतम्य में सोमवार 11 मई को जनपद पंचायत सीईओ अमित सिंघई ने पूर्वाटोला और टेकरी क्षेत्र का दौरा कर जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ आवास प्रभारी राजू हरिंद्रवार, जनपद पंचायत सभापति दिनेश लाड़े, ग्राम पंचायत पूर्वाटोला के सरपंच गणेश बागड़े सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पात्र परिवारों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा आश्वस्त किया कि किसी भी पात्र हितग्राही को योजना से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। प्रशासन द्वारा पात्र परिवारों को जल्द से जल्द लाभ दिलाने की दिशा में प्रक्रिया तेज करने की बात कही गई है।

सिविल अस्पताल को मिली एनेस्थिया विशेषज्ञ की सौगात

गर्भवती महिलाओं के सिजेरियन प्रसव के साथ अन्य रोगियों को मिलेगा लाभ..

जगप्रेरणा लांजी।

सिविल अस्पताल लांजी को स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। शासन द्वारा अस्पताल में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की पदस्थापना किए जाने से अब क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को प्रसव संबंधी बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय कुमार उपराडे ने जानकारी देते हुए बताया कि सिविल अस्पताल लांजी के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार एवं प्रसव के लिए यहां पहुंचते हैं। ऐसे में लंबे समय से एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

शासन ने इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डॉ. महेंक मेश्राम, एमबीबीएस, एमडी एनेस्थीसिया की पदस्थापना शासकीय अस्पताल लांजी में की है। उन्होंने बताया कि पूर्व में अस्पताल में सिजेरियन प्रसव स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी शेंडे द्वारा किए जाते थे, लेकिन एनेस्थीसिया विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होने के कारण जिला स्तर से विशेषज्ञ चिकित्सक बुलाने पड़ते थे।

इससे कई बार मरीजों और परिजनों को इंतजार एवं परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब डॉ. महेंक मेश्राम की पदस्थापना होने से सिजेरियन प्रसव सेवाएं नियमित और निर्बाध रूप से संचालित हो सकेंगी। साथ ही आकस्मिक परिस्थितियों में भी गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव सिविल अस्पताल लांजी में ही संभव हो सकेगा, जिससे जिला अस्पताल रेफर करने की आवश्यकता कम होगी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के निर्देशन में सिविल अस्पताल लांजी में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ने से अब क्षेत्रीय लोगों का शासकीय अस्पताल के प्रति विश्वास भी मजबूत हो रहा है।

सूखे कुएं में गिरे 3 जंगली सूअर वन विभाग ने किया रेस्क्यू ऑपरेशन

जगप्रेरणा लांजी।

तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत कटंगी में 11 मई सोमवार शाम उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक खेत के सूखे कुएं में तीन जंगली सुअर गिर गए।

घटना शाम लगभग 6:30 बजे की बताई जा रही है। खेत मालिक भोजेंद्र पिता सालिक नारनौरे के खेत में स्थित पुराने सूखे कुएं में अचानक तीनों जंगली सुअर गिर पड़े। कुएं से जानवरों की आवाजें सुनाई देने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अंदर झांककर देखा तो तीन जंगली सुअर कुएं में फंसे हुए दिखाई दिए। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस थाना लांजी को दी गई, जिसके बाद 112 डायल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा स्थिति का जायजा लेने के बाद वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि कुआं काफी गहरा और लंबे समय से सूखा पड़ा हुआ है, जिससे रेस्क्यू कार्य में कठिनाई आ रही थी। वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा रस्सियों एवं अन्य साधनों की सहायता से जंगली सुअरों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था। रेस्क्यू के दौरान सुअर काफी घबराए हुए नजर आए, जिससे टीम को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने भी बचाव कार्य में वन विभाग का सहयोग किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पानी और भोजन की तलाश में जंगली जानवर अक्सर गांव की ओर आ जाते हैं, जिसके चलते इस प्रकार की घटनाएं सामने आती रहती हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि खेतों एवं खुले पड़े पुराने कुंओं के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में वन्यजीवों के साथ इस प्रकार की घटनाएं न हों। समाचार लिखे जाने तक वन विभाग का रेस्क्यू अभियान जारी था और तीनों जंगली सुअरों को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे थे।

फिर बिना अनुज्ञा पत्र से कृषि उपज ले जा रहे 3 वाहन धाराएं

24510 का दंडिक शुल्क वसूला..

जगप्रेरणा लांजी।

मंडी अमीनों की सख्ती से अवैध परिवहन करने वालों की फिर पोल खुल गई है। उपमंडी लांजी में तीन दिनों में तीन अलग-अलग वाहनों से बिना अनुज्ञापत्र के कृषि उपज ले जा रहे व्यापारियों पर पांच गुना की कार्यवाही करते हुए कुल 24,510 रुपये की दंडात्मक मंडी शुल्क वसूल किया गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी (भारसाधक अधिकारी मंडी बालाघाट) और कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के सचिव श्री भानेश्वर प्रसाद तुरकर के निर्देशन में तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी श्री कमलचंद्र सिंहसार के मार्गदर्शन में मंडी निरीक्षक वासुदेव बढ़ई और सहायक उप निरीक्षक नेलचंद बारबुदे की टीम ने डुडवा घाट क्षेत्र में सघन निरीक्षण अभियान चलाया।

ये रहे प्रकरण :

9 मई 2026 को वाहन क्रमांक एमपी 50 जेड जे 44710 में भागवत नागपुरे बोरी से आमगांव (महाराष्ट्र) की ओर 22 क्विंटल धान ले जा रहे थे। बिना मंडी अनुज्ञापत्र पाए जाने पर पांच गुना दंड स्वरूप 5,640 रुपये वसूल किए गए। 10 मई 2026 को वाहन क्रमांक एमएच49 बीजेड 5624 में खंडेलवाल ब्रदर्स पिपरवानी से रायपुर (छत्तीसगढ़) की ओर 74 क्विंटल महुआ ले जा रहे थे। टीम ने मौके पर पकड़कर 14,950 रुपये दंडात्मक मंडी शुल्क जमा कराया। 11 मई 2026 को वाहन क्रमांक एम एच 35 एजे 0417 में रोहित ठाकरे कांद्रिकला से बिरसोला (महाराष्ट्र) की ओर 16 क्विंटल धान ले जा रहे थे। बिना अनुज्ञापत्र के परिवहन पर 3,920 रुपये की राशि वसूल की गई। तीनों मामलों में वाहनों को मौके पर रोका गया और अनुज्ञापत्र न मिलने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की गई। कुल 24,510 रुपये की राशि सरकारी खजाने में जमा कर दी गई है।

मंडी अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अवैध परिवहन पर यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों ने सभी व्यापारियों और किसानों से अपील की है कि अधिसूचित कृषि उपजों (धान, महुआ आदि) का परिवहन बिना मंडी अनुज्ञापत्र/बिल के बिल्कुल न करें। ऐसा करने पर न सिर्फपांच गुना जुर्माना लगेगा, बल्कि अन्य कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

भारतीय स्टेट बैंक के सामने पार्किंग व्यवस्था बनी सरदर्द

नगर परिषद और बैंक प्रबंधन को दुर्घटना का इंतजार..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर के लांजी-भिलाई मार्ग स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की लांजी शाखा के सामने पार्किंग को लेकर समस्या पिछले कुछ वर्षों से लगातार बनी हुई है जो इन दिनों चरम पर पहुंच चुकी है। बैंक खुलते ही सड़क किनारे सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहनों की कतार लग जाती है, जिससे मुख्य मार्ग पर दिनभर जाम जैसे हालात बने रहते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि लगातार शिकायतों, खबरों के प्रकाशन और नगर परिषद के नोटिस के बावजूद बैंक प्रबंधन के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है।

हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि आम राहगीरों, स्कूली बच्चों और अन्य वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण कई बार दुर्घटना की स्थिति भी बन जाती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से यह समस्या लगातार बनी हुई है। समाचार पत्रों और विभिन्न न्यूज चैनलों में कई बार प्रमुखता से खबरें प्रकाशित और प्रसारित हुईं, मगर न बैंक प्रबंधन ने कोई व्यवस्था बनाई और न ही नगर प्रशासन ने सख्ती दिखाई। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर परिषद लांजी ने बैंक शाखा को नोटिस भी जारी किया था, लेकिन नोटिस महज कागजी कार्रवाई बनकर रह गया। स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है और बैंक परिसर के बाहर सड़क पर वाहनों का अतिक्रमण खुलेआम जारी है।

लोगों का आरोप है कि यदि यही स्थिति किसी छोटे दुकानदार या आम नागरिक के कारण बनी होती तो प्रशासन तत्काल चालानी कार्रवाई कर देता, लेकिन बड़े संस्थान के मामले में जिम्मेदार अधिकारी नरमी बरत रहे हैं। नगरवासियों ने मांग की है कि बैंक परिसर के बाहर तत्काल व्यवस्थित पार्किंग बनाई जाए और सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे. मो. 9329033433

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

जग प्रेरणा
साहित्य / अभिव्यक्ति

● संपादकीय ● लेख ● कविता ● व्यंग्य ● राजनीतिक टिप्पणी ● धार्मिक लेख ● सामाजिक लेख

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

वैश्विक संकट के दौर में मोदीजी की अपील : आइए देशहित को राजनीति से ऊपर रखें

आज पूरा विश्व आर्थिक अनिश्चितताओं, युद्ध जैसी परिस्थितियों, बढ़ती महंगाई, ऊर्जा संकट और वैश्विक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। कोई भी देश इस संकट से पूरी तरह अछूता नहीं है। विकसित राष्ट्र भी आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं और विकासशील देशों के सामने तो चुनौतियाँ और भी बड़ी हैं। ऐसे समय में केवल सरकारों की नीतियाँ ही पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि देश के नागरिकों की जागरूकता, त्याग और राष्ट्रहित की भावना ही किसी राष्ट्र को मजबूत बनाती है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें और हर उस प्रयास में सरकार का साथ दें जो देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में उठाया जा रहा हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से विदेशी यात्राएँ सीमित करने, वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल मीटिंग को प्राथमिकता देने, अनावश्यक सोने की खरीद कम करने तथा खाने के तेल के उपयोग में बचत करने की अपील केवल एक सामान्य सलाह नहीं है। यह समय की आवश्यकता है और राष्ट्रहित में लिया गया एक दूरदर्शी निर्णय है। इसे राजनीतिक दृष्टि से देखने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में समझने की आवश्यकता है। जब देश वैश्विक आर्थिक दबावों का सामना कर रहा हो, तब राजनीति की रोटियाँ सेंकना उचित नहीं होता। ऐसे समय में सच्चा भारतीय वही है जो अपने मतभेदों को किनारे रखकर देशहित में एकजुट होकर खड़ा हो।

विदेशी मुद्रा किसी भी देश की आर्थिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार होती है। जितना अधिक विदेशी मुद्रा भंडार किसी देश के पास होता है, उतना ही वह वैश्विक संकटों का मजबूती से सामना कर सकता है। विदेशी यात्राएँ, सोने का आयात और खाद्य तेल की भारी खरीद भारत की विदेशी मुद्रा पर बड़ा दबाव डालती हैं। यदि देश का प्रत्येक नागरिक थोड़ा-सा संयम बरते, तो करोड़ों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। यही बचत भविष्य में देश के विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

आज तकनीक ने दुनिया को बहुत छोटा बना दिया है। पहले जहाँ छोटी-छोटी बैठकों और व्यापारिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा करनी पड़ती थी, वहीं अब ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से वही कार्य घर बैठे हो सकते हैं। वर्क फ्रॉम होम ने यह सिद्ध कर दिया है कि कार्य क्षमता केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं है। यदि हम अनावश्यक यात्राओं को कम करके विदेशी मुद्रा बचाते हैं, तो यह आधुनिक युग की सच्ची देशभक्ति होगी।

इसी प्रकार सोने की खरीदारी का विषय भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में विवाह और पारिवारिक आयोजनों में दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आवश्यकता से अधिक सोना खरीदना केवल सामाजिक प्रतिष्ठा का माध्यम बन गया है, जबकि इसका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना आयात करने वाले देशों में शामिल है। यदि समाज इस दिशा में संयम बरते और आवश्यकता भर ही खरीदारी करे, तो यह देश की आर्थिक मजबूती में बहुत बड़ा योगदान होगा। सच्ची प्रतिष्ठा सोने के आभूषणों में नहीं, बल्कि संस्कारों, सादगी और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी में होती है।

प्रधानमंत्री जी द्वारा खाने के तेल के उपयोग में कम से कम दस प्रतिशत कमी करने की अपील भी अत्यंत सार्थक है। भारत बड़ी मात्रा में खाद्य तेल विदेशों से आयात करता है। यदि हर परिवार थोड़ी-सी सावधानी बरतकर तेल की बचत करे, तो इससे अरबों रुपये की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। यह केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभकारी है। कम तेल का भोजन शरीर को स्वस्थ रखता है और देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाता है। इस प्रकार एक साधारण-सी आदत भी राष्ट्रनिर्माण में योगदान दे सकती है।

ऐसे समय में हमें भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की याद अवश्य आती है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट और युद्ध जैसी कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था, तब शास्त्री जी ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने और एक समय का भोजन छोड़ने की अपील की थी। उन्होंने केवल भाषण नहीं दिया, बल्कि स्वयं अपने परिवार में पहले यह नियम लागू किया। लाखों भारतीयों ने उनकी अपील को स्वीकार किया और राष्ट्रहित में त्याग का उदाहरण प्रस्तुत किया। उस समय लोगों ने यह नहीं सोचा कि इससे उन्हें व्यक्तिगत लाभ क्या मिलेगा, बल्कि उन्होंने यह सोचा कि यदि देश मजबूत रहेगा तो हम सब सुरक्षित रहेंगे। यही भारतीयता की पहचान है।

आज आवश्यकता उसी भावना को पुनः जागृत करने की है। हमें यह समझना होगा कि देशभक्ति केवल नारों, भाषणों और सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित नहीं होती। सच्ची देशभक्ति तब दिखाई देती है जब कोई व्यक्ति अपने निजी सुखों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में निर्णय लेता है। यदि हम विदेशी यात्रा के बजाय अपने ही देश के सुंदर पर्यटन स्थलों को चुनें, तो इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि भारत के पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। हमारा देश प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत और अद्भुत पर्यटन स्थलों से भरा हुआ है। कश्मीर की वादियाँ, हिमाचल के पर्वत, राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहरें, केरल की हरियाली, उत्तराखंड के तीर्थ और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक भूमि किसी भी विदेशी पर्यटन स्थल से कम नहीं हैं। यदि हम अपने परिवार के साथ भारत में ही समय बिताएँ, तो यह देश के आर्थिक विकास में योगदान देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति से जुड़ने का भी अवसर होगा।

हमें यह भी समझना होगा कि विकसित भारत केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए 140 करोड़ भारतीयों की सहभागिता आवश्यक है। जब नागरिक स्वयं निर्णय लेकर विदेशी मुद्रा बचाने की दिशा में कार्य करेंगे, तब भारत आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनेगा। हमें अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि हर व्यक्ति दस लोगों को जागरूक करे, तो यह एक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

भारत की महानता हमेशा उसकी सामूहिक चेतना, त्याग और राष्ट्रप्रेम में रही है। यह वही देश है जहाँ लोगों ने संकट के समय अपने गहने दान किए, जहाँ किसानों ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को भूखा नहीं सोने दिया और जहाँ आम नागरिकों ने राष्ट्रहित में अपने सुखों का त्याग किया। आज फिर समय हमें पुकार रहा है कि हम अपनी जिम्मेदारी समझें और राष्ट्रहित में योगदान दें। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि वैश्विक संकट के इस दौर में हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे, अनावश्यक विदेशी खर्चों से बचेंगे, स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत बनाएँगे तथा प्रधानमंत्री जी की अपील को केवल सुनेंगे ही नहीं, बल्कि अपने जीवन में उतारेंगे भी। यही सच्ची भारतीयता है, यही सच्ची देशभक्ति है और यही विकसित भारत की दिशा में सबसे बड़ा कदम भी।

लेखक

हरीश नाग
चांगोटोला, बालाघाट

अधरम..

अधरम की ओछी जरें, धरम ध्वजा लहराय।
कछुक दिनन नौनों लगै, जरा मूँड़ सें खाय।।

अधरम कबहुँ न कीजिए, जो चाओ कल्यान।
जग में अपजस ही मिलै, मिटजै बंश निसान।।

अधरम पै हरदम चले, रावण कौरव कंश।
बचौ न लेबा नाव कौ, मिट गव सारौ बंश।।

अधरम के साथी सदा, लोभ क्रोध पाखंड।
इनको जिन मेंबास है, करै काम उद्दण्ड।।

अधरम पै भारी धरम, देख लेव इतिहास।
नंद धरम की जीत भइ, जेइ बात है खास।।

रामानन्द पाठक नन्द

खेल न खेलो..

कुदरत से मिलता हमें, जीवन का सामान।
हम सबका दायित्व है, रखना इसका ध्यान।
रखना इसका ध्यान, न करना कोई नादानी।
रखो प्रदूषण मुक्त हमेशा वायु और पानी।
जहर घुला दोनों में आदमी की फितरत से।
चेतो चेतो खेल न खेलो अब कुदरत से।

शशि तिवारी

हार..

हारे है लेकिन
माने नहीं हार है
लड़ने को हम
फिर तैयार है।

सिर्फकलम ही
नहीं चलाते है
चलाने को और
भी औजार है।

नफ़रत की राह
यूं ही नहीं चुने
धोखे का दुसरा
नाम प्यार है।

सिफ़रिशों से
नाम नहीं बनते
मेहनत से
चमकते किरदार है।

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट

शब्दवर्गपहेली क्र.- 163

1	2		3	4		5		■	6	■	7	■	8	9		■	10	■	11	12
13		■	14		■		■	15		16		■	17		■	18				
19		20			■	21	22				■	23			■	24		■	25	
■	26		■	■	27			■	28				■	29	30			31	■	
32	■	33		34			■	35	■		■	36	37			■	38		39	■
40	41		■	42		■	43		44		45	■		■	46		■	47		48
49		■	50		■	51		■		■	52	53		■		■	54			
	■	■	55		■		■	56	■	57	■		■	58				■		■
59		■	60		61	■	62		63		64	■	65			■	66	67अ		
	■	67		■	68	69		■	70			71		■	72	73	■	74		■
	■	75		76	■	77		78		■	■	79			■	80	81		■	82
83	84		■	85	86		■		■	87				■	88			■	89	
■	90			■	91		■	92	93		■		■	94			■	95	■	
96		■	■	97			98	■		■	■	99				■	100		101	
	■	102				■	103		■	104	105		■	106		107		■	108	
109			■	110				■	111			■	112							

ck;l l| nk;l %& 1) जो किसी की भलाई करता है तो दूसरे भी उसकी भलाई करते है इस अर्थवाली एक कहावत 8) सामान तौलने का एक उपकरण 11) किसी शहर का प्रवेशद्वार जहांपर कर वसुला जाता है 13) छोटा 14) ब्रह्मदेव के मुखों की संख्या 15) संसार का आखरी दिन, प्रलय 17) एक शिकारी चिड़िया 18) पक्षपात, किसी एक का पक्ष लेना 19) रोकना 21) तमाशा देखनेवाले 23) कृपालु (अरबी) 24) ताश के पत्तों का एक खेल 25) पर्वत 26) जमीन 27) अच्छा पुत्र 28) पति के बहन का पति 29) शपथपत्र 33) अपराधी, जिसने गलती की हो 36) कामयाबी 38) रत्न, जवाहर 40) बड़प्पन, महत्व 42) 'तस' का विरुद्धार्थी शब्द 43) दुराचारी 46) 'तेजी' का विरुद्धार्थी शब्द 47) पचना 49) अस्थिर, चलता हुआ 50) पत्र, चिट्ठी 51) केश 52) चलायमान, चंचल, द्रव 54) कागज आदि के काटे हुये टुकड़े 55) तपस्या 58) खैरियत, निपुणता 59) नदी या समुद्र का किनारा 60) किसी शब्द या वाक्य को बार बार याद करना 62) वेस्ट इंडिज क्रिकेट संघ के एक पुराने प्रसिद्ध बल्लेबाज 65 निस्सन्देह 66) रसीला, रसयुक्त 67) आगमन होना 68) छत्रपति शिवाजी महाराज का वीर मराठा सैनिक जिसने तोरना गढ़ पर फतेह पाते समय अपने प्राणों का बलिदान किया था 70) खींचतान 72) वह फसल जो बसंत ऋतु में काटी जाती है 74) मुकुट 75) अज 77) ढाका का प्रसिद्ध एक महीन वस्त्र 79) मृत्यु होना 80) वास करना 83) परामर्श 85) दौड़ लगानेवाला 87) वंदे ...., बंगाल उपन्यास 'आनंद मठ' के एक प्रसिद्ध गीत का शब्द 88) पाठ, शिक्षा 89) मुसलमानों का सुन्नी के अलावा एक दूसरा संप्रदाय 90) युवक, सैनिक 91) पुरुष 92) बगैर, बिना 94) अद्भूत कार्य 96) प्राप्त करना 97) 'कम्प्युटर' का हिन्दीकरण 99) पंजाब की पांच प्रसिद्ध नदियों में से एक 100) चन्द्रमा 102) संगीत के सात स्वरों के उतार–चढ़ाव का क्रम, अभिनेत्री जयाप्रदा की पहली फिल्म 103) एक प्राचीन वाहन 104) सुंदर 106) जंगल में लगनेवाली आग 108) रक्तवाहिनी 109) मध्य प्रदेश से बहनेवाली एक नदी 110) मनमाने ढंग से किया गया काम 111) स्मशान में शव ले जाने की सीढ़ी 112) दुर्दशा में इधर–उधर मारे मारे फिरना इस अर्थवाला एक मुहावरा

Åij l| ulp %& 1) लेखनी 2) श्रीरामजी का एक नाम 3) मजबूर 4) महाराष्ट्र का प्रसिद्ध किला 'सिंहगढ़' का पूर्ववर्ती नाम 5) राजस्थान का एक प्रमुख शहर जिससे 5 किलोमीटर दूरी पर घाना पक्षी अभयारण्य है 6) एक किस्म की सेम जिसका दूध पौष्टिक माना जाता है 7) समाप्ति 8) बरबादी 9) राजा का निवासस्थान 10) हैदराबाद की एक प्रसिद्ध दर्शनीय इमारत 11) मूर्ख 12) शिल्पकार, दस्तकार 15) बीड़ी के धुएँ का घूंट 16) चिंतनशील, मनन करनेवाला 18) ओर, किनारा, पार्श्व 20) पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता का पूर्ववर्ती नाम 22) केवल 23) धनवान, अमीर 27) सुगंध 30) भारत की जगप्रसिद्ध गानसम्राज्ञी 31) अधीनस्थ 32) गोस्वामी तुलसीदासजी द्वारा रचित रामकथा 34) वह परदा जिस पर फिल्म दिखायी जाती है 35) निद्रा 37) खेतों की उपज 39) ध्यान न देने का भाव 41) किसानों का एक औजार 43) शक्ति, ताकत 44) पहिया, कुम्भार का चाक 45) झुका हुआ 48) दिल 50) जोखीमभरा 51) एक हिंस्त्र जानवर 53) सूर्य 54) पंक्ति, एक लाईन में खड़े होना 56) गौ 57) खोज, ढुंढ़ना 58) रामायण में एक श्रीराम पुत्र 61) रिश्ता 62) दक्षिण आफ्रिका एक प्रमुख देश जो कॉफी और रबड़ के उत्पादन के लिये प्रसिद्ध है 63) अनुकरण, अनुकृति 64) रामायण महाकाव्य के नायक 65) निर्लज्ज 67अ) तंग करना 67) जलवायु 69) बालक के जन्म के बाद किया जानेवाला एक संस्कार 71) किसी काम को करने के लिये तत्पर होना 73) मुगल सम्राट अकबर के दरबार के नौ रत्नों में से एक चतुर व्यक्ति 76) श्रीकृष्ण की बचपन की सखी 78) एक जलचर प्राणी 81) अधिकार 82) ध्यान देना इस आशयवाला एक मुहावरा 84) शरमाना 86) वन प्रयाण, जंगल में जाना 87) पराजित 88) सोशलिजम का हिन्दी पर्याय 93) कल्याण 94) टकसाल में कल (यंत्र) की सहायता से ढला सिक्का 95) गर्दभ 96) पवित्र 97) वह स्थान जहां दो या ज्यादा नदियां आकर मिलती हो 98) करतब, टोटका 100) आसानी से प्राप्त होनेवाला 101) सोना, सुवर्ण 102) हमेशा 104) देवता, ईश्वर 105) गज 107) पुरुष (जवाब अगले अंक में) ●

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

का	व्य	स	मी	क्ष	क	■	उ	ध	म	म	चा	ना	■	स	र	फ	रो	श	■	श
म	■	मा	त	म	■	इ	■	ड़	■	■	ल	च	की	ला	■	ल	क	ब	■	रा
का	म	ना	■	ता	प	मा	प	क	यं	त्र	■	■	ट	ह	ल	ना	■	न	सी	ब
ज	■	र्थ	■	■	थ	र	का	ना	■	य	म	क	■	ले	ख	■	स	म	ता	■
■	अ	क	ब	र	■	त	ना	■	र	■	■	त	न	ना	■	अ	दा	■	फ	ल
आ	स	■	द	■	मां	■	■	ना	ज	न	ख	रा	■	■	ना	व	■	अ	ल	ग
■	हि	मा	ल	य	■	नि	ग	रा	नी	■	ब	ना	व	ट	■	चे	त	ना	■	न
वि	ष्णु	■	ना	■	न	■	र्वि	■	गं	भी	र	■	ज्र	■	दू	त	■	चा	कू	■
स	ता	ना	■	ए	क	नि	ष्ठ	■	धा	■	दा	न	पा	त्र	■	न	■	री	■	कू
र्ज	■	जु	■	क	ल	■	■	का	■	क	र	व	त	■	शा	■	बा	■	जा	ट
न	र	क	पा	ल	■	कु	सु	म	■	लि	■	र	■	को	ला	ह	ल	■	■	ले
■	■	मि	त	व्य	य	■	अ	च	ल	■	आ	स	पा	स	■	क	वि	■	को	ख
अ	न	जा	न	■	■	स	र	ला	■	नि	शा	■	■	ना	म	■	वा	स	■	क
धी	र	ज	■	ज	न	म	■	ऊ	■	■	वा	प	सी	■	स	ला	हा	गा	र	■
न	मी	■	जा	न	■	त	ना	■	आ	बा	दी	■	मा	घ	■	चा	■	ई	■	क
ता	■	नी	ल	क	म	ल	■	नी	र	ज	■	■	■	र	घु	री	त	■	ना	ल

anumeva-08446302691

कोलकाता में मेसी से जुड़े कार्यक्रम में हुए विवाद का मुझे 'बलि का बकरा' बनाया गयाः सतद्रु दत्ता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

लियोनेल मेसी से जुड़े कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में पिछले वर्ष दिसंबर में हुए कार्यक्रम को लेकर आयोजक सतद्रु दत्ता ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें पूरे प्रकरण में 'बलि का बकरा' बनाया गया, जबकि असली जिम्मेदारों को बचाया गया। दत्ता ने कहा कि आयोजन के दौरान राजनीतिक हस्तक्षेप, सुरक्षा में गंभीर चूक और प्रशासनिक खामियों के कारण पूरा कार्यक्रम अव्यवस्थित हो गया।

दत्ता ने पीटीआई को दिए बयान में दावा किया कि 13 दिसंबर को आयोजित यह कार्यक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के तहत 'जेड-प्लस सुरक्षा' प्रोटोकॉल में होना था, जिसमें मेसी की मौजूदगी में मैदान पर केवल सीमित लोगों की ही पहुंच तय थी। उन्होंने आरोप लगाया, 'हमारी तरफ से हर चीज बेहद योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों के साथ 16 से 20 बैठकें हुई थीं। लेकिन जब मैं मेसी के साथ मैदान में पहुंचा तो वहां सैकड़ों अनधिकृत लोग बिना अनुमति या पास के मौजूद थे।'

दत्ता ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने आयोजन में हस्तक्षेप किया और अतिरिक्त पास जारी करने का दबाव बनाया। उन्होंने कहा, 'अतिरिक्त एक्रेडिटेशन कार्ड देने का दबाव बनाया गया, लेकिन हमने मना कर दिया क्योंकि यह पहले ही पुलिस के साथ तय हो चुका था। इसके बावजूद अनधिकृत लोग लगातार मैदान में आते रहे।' उनके अनुसार, जब दर्शक और कुछ लोग बार-बार खिलाड़ियों के बेहद करीब जाकर सेल्फी लेने लगे, तो रोड्रिगो डी पॉल जैसे खिलाड़ियों को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जिससे सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हुई।

दत्ता ने कहा, 'इसी दौरान माहौल इतना असहज हो गया कि मेसी और उनकी पूरी टीम ने मैदान छोड़ने का फैसला कर लिया।' उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, 'अगर उनके प्रबंधन में कोई खामी थी, तो उनकी टीम ने हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में बिना किसी समस्या के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक कैसे आयोजित किया? इन शहरों में मंत्रियों और आमंत्रित मेहमानों ने जिम्मेदारी से अपनी भूमिका निभाई।'

दत्ता ने आरोप लगाया कि उन्हें बाद में उड़ान भरने से रोका गया और गिरफ्तारी भी हुई, जबकि असली जिम्मेदारों से पूछताछ तक नहीं की गई। उन्होंने कहा, 'मुझे फंसाया गया, जबकि बाकी लोगों को बचा लिया गया।' उन्होंने यह भी मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो, क्योंकि उनके अनुसार यह एक 'पूर्ण पुलिस विफलता' का मामला है। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने चार मई को चुनाव परिणाम प्रकाशित होने के बाद ही अपनी बात क्यों रखी, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब बोलने और सबको सच्चाई बताने का समय आ गया है।'

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का बचाव करते हुए दत्ता ने कहा कि कोलकाता में अपनाई गई प्रक्रिया अन्य जगहों पर अपनाई गई प्रक्रियाओं के अनुरूप थी। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आमंत्रित व्यक्तियों की सूची पहले से ही स्पष्ट रूप से तय कर ली गई थी और अधिकारियों के साथ साझा की गई थी। दत्ता के आरोपों के बाद अरूप बिस्वास से संपर्क नहीं हो सका, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि दत्ता अपनी विफलता को छिपाने के लिए पूर्व मंत्री को निशाना बना रहे हैं और वह स्वयं इतने बड़े आयोजन में व्यवस्था बनाए रखने में असफल रहे। उन्होंने कहा, मामले की जांच अभी जारी है, इसलिए हम इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। लेकिन बिस्वास, तत्कालीन खेल मंत्री होने के नाते राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए उस कार्यक्रम में गए थे।'

'राजा शिवाजी' के लिए अभिषेक बच्चन ने नहीं लिया एक रुपया, फ्री में क्यों की रितेश देशमुख की फिल्म? बताई वजह..

डेस्क जगप्रेरणा।

अभिषेक बच्चन इन दिनों 'राजा शिवाजी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन ने रितेश देशमुख स्टारर छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े भाई संभाजी शहाजी भोसले की भूमिका निभाई है।

इस फिल्म को रिलीज हुई 10 दिन से ज्यादा हो गए हैं और अभी भी इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस फिल्म को रितेश देशमुख ने प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया है और साथ ही साथ लीड रोल भी निभाया है। रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन के अलावा फिल्म में विद्या बालन, जेनेलिया डिसूजा और सलमान खान जैसे स्टार भी हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक चर्चा जोरों पर है। बताया जा रहा है कि फिल्म के लिए अभिषेक बच्चन सहित कई सितारों ने कोई फीस नहीं ली है। इन खबरों पर अब अभिषेक बच्चन ने खुद प्रतिक्रिया दी है।

राजा शिवाजी के लिए अभिषेक बच्चन ने नहीं ली फीस?

न्यूज18 से बातचीत में अभिषेक बच्चन ने 'राजा शिवाजी' के लिए फीस चार्ज न करने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'आजकल रील्स में फैक्ट्स और फिगर्स की बात हो रही है और लोगों को कलाकारों की फीस, वैन की डिमांड जैसी बातों में मजा आ रहा है, लेकिन आखिर में ये एक आर्ट फॉर्म है। ऐसा आर्ट फॉर्म जो दिल से शुरू होता है। जब किसी प्रोजेक्ट पर यकीन सच्चा हो तो पैसी और सुविधाएं कोई मायने नहीं रखतीं। मेरे लिए अभिनय भावनात्मक जुड़ाव है। प्रेरणा ही कला की असली शुरुआत होती है।'

रितेश-जेनेलिया की अभिषेक बच्चन ने की तारीफ..

अभिषेक बच्चन ने बातचीत के दौरान रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की भी जमकर तारीफ की। स्टार कपल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा- 'आज के समय में फिल्मों में बहुत सारी गणित लगाई जाती है, लेकिन रितेश और जेनेलिया ने साबित कर दिया है कि हर चीज नंबर्स पर नहीं टिकी होती। उनके लिये ये प्रोजेक्ट बहुत पवित्र था। उन्होंने कभी भी इस फिल्म को किसी प्रोजेक्ट की तरह नहीं देखा, बल्कि इसे फिल्म से कहीं बड़ा और पवित्र मानकर काम किया।'

फिल्म की भव्यता पर क्या बोले अभिषेक बच्चन?

अभिषेक ने फिल्म की भव्यता और चुनौतियों के बारे में बात करते हुए बताया कि मराठी सिनेमा में पहले कभी इतने बड़े स्केल पर कोई फिल्म नहीं बनी है। उन्होंने फिल्म की भव्यता का बारे में बात करते हुए कहा, 'यूनिट को खुश, सुरक्षित और मोटिवेटेड रखना बहुत मुश्किल काम था। मगर रितेश और जेनेलिया ने इन सभी जिम्मेदारियों को बखूबी संभाला। मुझे सेट पर कभी किसी की भी कोई शिकायत नहीं सुनाई दी। मैं उन्हें अपने परिवार से अलग नहीं मानता। वे बहुत ही प्यारे, डाउन टू अर्थ और भरोसेमंद दोस्त हैं। मैं मुंबई में पला बढ़ा हूं, इसलिए मैं मराठी से परिचित था, लेकिन स्क्रीन पर पहली बार मराठी बोल रहा था, इसलिए थोड़ा नर्वस था।'

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों से पहले भारोत्तोलकों के लिए साइ ने समर्थन बढ़ाया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने सोमवार को बताया कि इस वर्ष के राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल की तैयारी कर रहे भारोत्तोलकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान करने

और दीर्घकालिक राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के आयोजन पर लगभग 1.95 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सरकार ने गांधीनगर में सोमवार से शुरू हुई और 17 मई तक चलने वाली एशियाई सीनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत की भागीदारी के लिए लगभग 70.45 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए प्रारंभिक दल में 22 खिलाड़ी, छह कोच, पांच सहायक कर्मचारी और तीन रेफरी शामिल हैं। साइ ने कहा, 'भारतीय भारोत्तोलकों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्रदान करने और दीर्घकालिक राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के लिए समर्थन बढ़ाते हुए लगभग 1.95 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।' एशियाई चैंपियनशिप को राष्ट्रमंडल खेलों (जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में) और एशियाई खेलों (सितंबर-अक्टूबर में आइची-नागोया में) की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साइ ने बताया कि खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभाशाली भारोत्तोलक भी गांधीनगर में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। साइ द्वारा खेलो इंडिया प्रतियोगिता के लिए चुने गए भारोत्तोलकों में बेदाबरात भराली (79 किग्रा), पर्व चौधरी (94 किग्रा), ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा), संजना (77 किग्रा), मैबम मार्टिना देवी (86 किग्रा से अधिक), चारू पेसी (65 किग्रा), टी माधवन (71 किग्रा), वल्लूरी अजय बाबू (79 किग्रा), अभिषेक निपाने (88 किग्रा), कोमल कोहर (48 किग्रा) और कोयल बार (53 किग्रा) शामिल हैं। साइ ने कहा, 'प्रतियोगिता के लिए समर्थन के साथ-साथ साइ ने दो समानांतर राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों को भी मंजूरी दी है, जो एक अप्रैल से 31 अगस्त तक मोदीनगर स्थित 'वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स' और नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में आयोजित किए जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'अनुभवी पुरुष और महिला भारोत्तोलकों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के चक्र से जुड़े प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने तथा क्वालीफिकेशन हासिल करने में मदद के लिए इन दोनों जगहों पर क्रमशः 60.23 लाख रुपये और 64.75 लाख रुपये की लागत से 122 दिवसीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।'

'शॉट से पहले कांपने लगती थी', ऋषि कपूर के निधन के बाद जब शूट पर लौटीं नीतू कपूर, बताया सेट पर कैसा रहता था हाल..

डेस्क जगप्रेरणा।

दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'दादी की शादी' को लेकर चर्चा में हैं, जिसके साथ उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी डेब्यू किया है। इस बीच नीतू कपूर ने बताया कि ऋषि कपूर के निधन के बाद फिल्मों में वापसी की,

जिसमें फिल्म निर्माता करण जौहर का सबसे अहम रोल था। उन्होंने बताया कि ऋषि कपूर के निधन के बाद करण जौहर ने ही उन्हें फिल्मों में वापस करने के लिए प्रोत्साहित किया था। 2020 में ऋषि कपूर का निधन हो गया था, जिसे लेकर अब नीतू कपूर ने कुछ इमोशनल पल साझा किए हैं। उन्होंने बताया कि करण ने ही 'जुग जुग जीयो' के साथ उन्हें दोबारा वापसी के लिए मोटिवेट किया था। लेकिन, इस समय वह भावनात्मक तौर पर इतनी कमजोर थीं कि हर शॉट से पहले कांपने लगती थीं।

नीतू कपूर को याद आए ऋषि कपूर के निधन के बाद के दिन..

सोहा अली खान के पॉडकास्ट शो 'ऑल अबाउट हर' में बात करते हुए नीतू कपूर ने कहा- 'करण ने मुझसे कहा, 'नीतू जी, मुझे लगता है आपको फिल्मों में वापसी करने के बारे में सोचना चाहिए। करण ने मुझे प्रोत्साहित किया और फिर मैंने हां कह दी। लेकिन, जुग जुग जीयो की शूटिंग के दौरान मैं बहुत घबराई रहती थी। मैं उस दौरान कितनी घबराई रहती थी, इसका आपको अंदाजा भी नहीं होगा। हर शॉट से पहले मैं कांपने लगती थी। मैंने 70-80 फिल्में की हैं, लेकिन मुझमें वो हिम्मत नहीं थी। अपने पति के बिना सेट पर अकेले जाना, तब मेरे साथ कोई नहीं होता था। लेकिन, मैंने हिम्मत जुटाई और मैने किया भी। इससे मुझे काफी मदद मिली।'

रिद्धिमा ने भी याद किए पिता के निधन के बाद के दिन..

ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी इस पॉडकास्ट में शिरकत की, जिन्होंने पिता के निधन के बाद परिवार द्वारा झेले कठिन समय के बारे में बात की और बताया कि कैसे दोनों ही उस दौरान शोक से जूझ रही थीं और भावनात्मक तौर पर एक-दूसरे पर निर्भर नहीं हो पा रही थीं। रिद्धिमा ने कहा, 'मां मुझसे अपने दिल की बात नहीं कर पाती थीं क्योंकि ये मेरे लिए भी बहुत मुश्किल समय था। पापा के जाने के बाद मैं भी शोक में डूबी हुई थी। उनका हाल देखकर मैं भी उनसे अपने दिल की बात नहीं कह पाती थी। हम सोने के लिए अलग-अलग कमरों में चले जाते थे।'

काम पर लौटने से दर्द से उबरने में मिली मदद..

नीतू कपूर आगे बताती हैं कि कैसे काम पर लौटने के बाद उन्हें इस दर्द से बाहर आने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं बाहर निकली, शोज किए और कुछ शोज में जज की भूमिका भी निभाई। इन सबने मुझे मजबूत बनने में मदद की। अब मुझे शोहरत या पैसे की जरूरत नहीं है। मैं तो बस खुद को खुश रखने के लिए कभी-कभी फिल्में करती हूं।'

2020 में हुआ था ऋषि कपूर का निधन..

बता दें, ऋषि कपूर ने 30 अप्रैल, 2020 को ल्यूकेमिया के चलते इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। ये वो समय था जब देश में कोरोना दस्तक दे चुका था और लॉकडाउन के चलते लोगों को अपने घरों से निकलने की भी परमिशन नहीं थी। ऐसे में रिद्धिमा भी अपने पिता के आखिरी दर्शन के लिए नहीं पहुंच पाई थीं। ऋषि कपूर के निधन के कुछ महीने बाद नीतू कपूर ने सिनेमा में वापसी की और 'जुग जुग जीयो' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आईं।

अपने ही पैर पर खुद मारी कुल्हाड़ी

किस टीम के लिए प्लेऑफ बना टेढ़ी खीर..

डेस्क जगप्रेरणा।

अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार लेना किसे कहते हैं, ये जानना हो तो आपको आईपीएल की एक टीम का हालिया प्रदर्शन देखना चाहिए। इंडियन प्रीमियर लीग का ये सीजन अब उस मुकाम पर पहुंच गया है, जहां एक एक मैच में हार जीत अहम हो रही है,

लेकिन राजस्थान रॉयल्स की टीम ने पिछले सात में से पांच मैच हारकर अपनी मुश्किल खुद ही बढ़ा ली हैं। टीम एक वक्त प्लेऑफकी तगड़ी दावेदार मानी जा रही थी, लेकिन अब वो रेस में पिछड़ चुकी है। उसे अगर आगे जाना है तो अगला मुकाबला हर हाल में जीतना ही होगा।

रियान पराग कर रहे हैं राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी..

राजस्थान रॉयल्स ने इस साल के आईपीएल में जबरदस्त शुरुआत की थी। टीम की कमान इस दफा रियान पराग संभाल रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने शुरुआती चारों मैच जीत लिए थे और आठ अंक पर जा पहुंची थी। इसके बाद टीम अपने दो मैच हार गई।

लेकिन उसके बाद एलएसजी को हराया तो ऐसा लगा कि अब टीम की गाड़ी फिर से पटरी पर आ जाएगी, लेकिन रेल डिरेल हो चुकी थी। टीम अपने पिछले दो और मैच हार चुकी है। पहले उसे दिल्ली ने हराया और फिर गुजरात टाइटंस ने पराजित कर दिया।

राजस्थान रॉयल्स के पास अब तक 12 अंक, छठे नंबर पर है टीम..

अभी की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के पस केवल 12 अंक हैं। टीम अभी छठे स्थान पर है। जो चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम रेस से बाहर मानी जा रही थी, वो भी अपने मैच जीतते हुए नंबर पांच पर पहुंच चुकी है। राजस्थान रॉयल्स के अब तीन और मैच बचे हैं, इसमें से उसे कम से कम दो और जीतने होंगे, तभी बात बनेगी, नहीं तो मुंबई और एलएसजी की तरह राजस्थान रॉयल्स का भी खेल इस सीजन खत्म हो जाएगा।

बचे हुए आईपीएल में है राजस्थान रॉयल्स का शेड्यूल..

अब राजस्थान की टीम 17 मई को दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी, इसके बाद उसे 19 मई को एलएसजी से टक्कर लेनी है। 24 मई को राजस्थान रॉयल्स का मैच मुंबई इंडियंस है। इसमें से गुजरात को छोड़कर बाकी टीमें अंक तालिका में उससे नीचे हैं। अभी तो टीम के पास एक लंबा गैप है। टीम मैनेजमेंट को कोशिश करनी चाहिए कि उससे पहले अपनी रणनीति पर विचार करे, ताकि बाकी मैच जीतकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की कर सके।

बेटी सारायाह को खुद जैसा नहीं बनाना चाहतीं कियारा, आज के लड़कों से डील करने की देंगी ट्रेनिंग, डेटिंग पर कही ये बात..

डेस्क जगप्रेरणा।

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 2025 में अपनी बेटी साराया मल्होत्रा का इस दुनिया में स्वागत किया और अब कियारा अपनी मदरहुड जर्नी को एंजॉय कर रही हैं। कियारा जल्दी ही यश स्टारर 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। इस बीच हाल ही में कियारा आडवाणी ने मदरहुड और अपनी बेटी सारायाह की परवरिश के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने यह भी खुलकर बताया कि वह अपनी बेटी की परवरिश कैसे करना चाहती हैं और साथ ही रिश्तों और मॉडर्न डेटिंग के दौरान कौन सी बातें सिखाना चाहती हैं।

कियारा आडवाणी ने सारायाह की परवरिश के बारे में बात की..

कियारा आडवाणी ने हाल ही में राज शमानी के पॉडकास्ट में शिरकत की, जहां उन्होंने मदरहुड और अपनी बेटी सरायाह के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान कियारा ने बताया कि कैसे वह तब तक खुद को और सिद्धार्थ को गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड के रूप में ही देखती थीं, जब तक सरायाह का जन्म नहीं हुआ। कियारा के अनुसार, सारायाह के माता-पिता बनने के बाद ही दोनों का एक-दूसरे को लेकर नजरिया बदला। कियारा ने कहा, ÷कहीं न कहीं, मुझे लगता था कि ऐसा ही होना चाहिए। समय और अनुभव के साथ यह नजरिया बदल गया। बचपन में आपके जीवन में जितने भी रिश्ते बनते हैं, वे सभी आपको कुछ न कुछ सिखाते हैं और आखिरकार आपको वह इंसान बनाते हैं जो आप हैं।'

नहीं चाहती बेटी मेरे जैसी बने- कियारा..

कियारा कहती हैं 'मैं नहीं चाहतीं कि सारायाह प्यार, शादी या रिश्तों के बारे में एक तय धारणाओं के साथ बड़ी हो। मैं नहीं चाहती कि उसे लगे कि उसे सिर्फ एक ही व्यक्ति को डेट करना चाहिए। मैं चाहती हूं वो अपनी लाइफ अपने हिसाब से जीये। अगर शादी करनी है, तो शादी कर लो। अगर शादी नहीं करनी है, तो शादी मत करो। मैं चाहती हूं कि वह समाज की अपेक्षाओं के बारे में सोचे बिना अपने फैसले खुद ले। मैं उसे इसी तरह पालना चाहती हूं कि वो अपने सारे फैसले खुद ले सके।'

उसके अपने एक्सपीरियंस होने चाहिए- कियारा..

कियारा ने बच्चों को गलतियां करने और सीखने की आजादी के बारे में बात करते हुए कहा- 'जिंदगी को हर तरह से जीना चाहिए। अपने फैसले खुद करना चाहिए। इस दौरान कुछ गलतियां भी होंगी। मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटी जिंदगी को सिर्फ अपने माता-पिता के नजरिए से देखे। मैं नहीं चाहती कि वो हमारे अनुभवों से सीखे, मै चाहती हूं उसके अपने अनुभव हों।' कियारा कहती हैं कि वह नहीं चाहतीं कि उनकी बेटी उनके जैसी बनी, जिसे उनसे वेलिडेशन की जरूरत हो। उन्होंने माना कि स्टारडम हासिल करने के बाद भी वह कभी-कभी अपने माता-पिता से वेलिडेशन चाहती हैं।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

पेट्रोलियम कंपनियों का पहली तिमाही का नुकसान पूरे वित्त वर्ष की कमाई को कर सकता समाप्त..

नई दिल्ली, (भाषा)।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और सरकार के खुदरा दाम को स्थिर बनाये रखने के कारण विपणन मार्जिन में भारी गिरावट आई है। इससे देश की सरकारी खुदरा पेट्रोलियम कंपनियों को पहली तिमाही में इतना बड़ा घाटा होने का जोखिम है,

जिससे पूरे वित्त वर्ष का मुनाफा खत्म हो सकता है। पश्चिम एशिया में 10 सप्ताह पहले युद्ध शुरू होने के बाद से, सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने लागत से कम दर पर पेट्रोल, डीजल और खाना पकाने की गैस एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की है। जबकि कई अन्य देशों में राशनिंग लागू की गयी या कीमतों में भारी वृद्धि की गयी।

एक सूत्र ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप तीनों विपणन कंपनियों... इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) बड़े स्तर पर अंडर रिकवरी यानी नुकसान का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और खाना पकाने की गैस (एलपीजी) पर संयुक्त रूप से नुकसान (लागत और खुदरा कीमतों के बीच अंतर) प्रतिदिन 1,000 करोड़ रुपये से 1,200 करोड़ रुपये है।

कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बावजूद, पेट्रोल और डीजल की कीमतें दो साल पुराने स्तर क्रमशः 94.77 रुपये प्रति लीटर और 87.67 रुपये प्रति लीटर पर बनी हुई हैं। वहीं एलपीजी की कीमतों में मार्च में 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन ये कीमतें अभी भी वास्तविक लागत से काफी कम हैं। उन्होंने कहा, ''मौजूदा तेल कीमतों पर, चालू तिमाही (अप्रैल-जून) में हुए नुकसान से कंपनी का पूरे साल का लगभग 76,000 करोड़ रुपये का मुनाफा खत्म हो जाएगा।''

सूत्र ने कहा कि संकट के पहले महीने (मार्च) में हुए नुकसान को भी शामिल करने पर कुल नुकसान लगभग एक लाख करोड़ रुपये बैठता है। पेट्रोलियम कंपनियां वर्तमान में पेट्रोल पर 14 रुपये प्रति लीटर, डीजल पर 42 रुपये प्रति लीटर और खाना पकाने की गैस (एलपीजी) पर 674 रुपये प्रति लीटर का घाटा उठा रही हैं। इस बारे में इक्रा लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) प्रशांत वशिष्ठ ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उत्पादों की ऊंची कीमतों के कारण पेट्रोलियम विपणन कंपनियां वाहन ईंधन और घरेलू एलपीजी बिक्री पर भारी घाटा उठा रही हैं। इक्रा का अनुमान है, ''120 से 125 डॉलर प्रति बैरल के कच्चे तेल की कीमतों पर.... विपणन कंपनियों को वाहन ईंधन और घरेलू एलपीजी की बिक्री पर प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपये का घाटा होता है। इस स्तर का नुकसान कंपनियों के लिए टिकाऊ मामला नहीं है और अगर कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की ऊंची कीमतें लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो इस पर ध्यान देना होगा।''

कृषि को मानव स्वास्थ्य के साथ जोड़ने के लिए मिशन 'सेहत' की शुरुआत..

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कृषि को मानव स्वास्थ्य से जोड़ने वाली अनुसंधान पारिस्थितिकी तैयार करने के लिए राष्ट्रीय मिशन 'सेहत' की शुरुआत की।

इस मिशन का लक्ष्य विज्ञान-आधारित एकीकरण के माध्यम से कृषि, पोषण और स्वास्थ्य अनुसंधान को जोड़कर कृषि को निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवा का एक मुख्य माध्यम बनाना है। इस मिशन की अगुवाई भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) करेंगे। इस अवसर पर चौहान ने कहा कि 'सेहत' (कृषि रूपांतरण के जरिये स्वास्थ्य के लिए विज्ञान उत्कृष्टतता) मिशन जैव-संवर्धित फसलों, स्वस्थ पशुधन और पोषक तत्वों से भरपूर मछली उत्पादों को बढ़ावा देगा। यह सभी आयु समूहों के लोगों के लिए विविध, सुरक्षित और संतुलित आहार को प्रोत्साहन देगा और कृषि श्रमिकों के लिए काम से जुड़े जोखिमों को कम करेगा। इस मिशन के तहत कुपोषण, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी जैसी समस्याओं से निपटने के लिए भोजन-आधारित समाधान भी विकसित किए जाएंगे। चौहान ने कहा, ''देश में अब पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध है। हमारा मुख्य ध्यान लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने और उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर है।'' मिशन की शुरुआत पर नड्डा ने कहा कि आईसीएआर और आईसीएमआर का एक साथ आना एक अच्छा कदम है। यह संयुक्त प्रयास अनुसंधान को बढ़ावा देगा और स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौतियों का समाधान करेगा। उन्होंने कहा, ''मिशन के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी, क्योंकि दोनों मंत्रालयों के पास इस मिशन को सहयोग देने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध हैं।'' आईसीएआर के महानिदेशक एम एल जाट ने कहा कि संस्थान ने पिछले 10 वर्षों में 203 जैव-संवर्धित फसल किस्में विकसित करने के साथ उन्हें जारी भी किया है, लेकिन परीक्षणों के अभाव में इन उपलब्धियों को जनता के बीच अपेक्षित सराहना नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर की भागीदारी से सबके लिए अनुकूल स्थिति बनेगी, क्योंकि इससे इन फसल किस्मों की प्रभावशीलता को प्रमाणित करने और उन्हें बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। आईसीएमआर के महानिदेशक राजीव बंसल ने कहा कि कृषि और स्वास्थ्य से जुड़े समाधान लंबे समय से अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे थे, जिसके कारण कृषि क्षेत्र में हुई प्रगति का लाभ स्वास्थ्य परिणामों में स्पष्ट रूप से नहीं दिख पा रहा था। उन्होंने कहा, ''लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और किसानों की खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए कृषि, पोषण और स्वास्थ्य अनुसंधान को आपस में जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।'' उन्होंने कहा कि भारत में कुपोषण एवं अतिपोषण की समस्या का एक साथ मौजूद होना और गैर-संक्रामक रोगों में हो रही वृद्धि को देखते हुए यह मिशन आज की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है।

रुपया 79 पैसे टूटकर 95.28 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई, (भाषा)।

रुपया सोमवार को 79 पैसे लुढ़ककर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 95.28 पर बंद हुआ। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा खारिज करने के बाद

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से रुपये पर भारी दबाव कायम हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिकों से सोना खरीदने से बचने और मितव्ययिता उपायों को अपनाने का आग्रह करने से बाजार की धारणा और कमजोर हो गई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। दिन में 94.87 से 95.34 प्रति डॉलर के बीच कारोबार करता रहा। अंत में यह अबतक के सबसे निचले स्तर 95.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 79 पैसे की भारी गिरावट है। रुपया शुक्रवार को 94.49 पर बंद हुआ था। घरेलू मुद्रा ने चार मई को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.23 का अपना पिछला सबसे निचला बंद स्तर दर्ज किया था, और पांच मई को यह 95.44 के अब तक के सबसे निचले दिन के स्तर पर पहुंची थी।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के कोष प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, '' राजकोषीय घाटे को कम रखने के लिए विदेशी मुद्रा बचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोल, सोने, विदेश यात्राओं आदि की खरीद में कमी लाने का आह्वान किया है। अल्पकालिक रूप से इन कदमों का असर वृद्धि की गति में सुस्ती के रूप में दिखेगा।''

उन्होंने कहा, '' वहीं ट्रंप ने ईरान के शांति प्रस्तावों पर दिए गए जवाब से सहमति नहीं जताई लेकिन इससे तेल की कीमतें 105 डॉलर के स्तर तक और डॉलर सूचकांक 98 के स्तर से ऊपर पहुंच गया। परिणामस्वरूप इनकी मांग में तेजी बनी रही। मंगलवार को रुपये के 94.75 और 95.50 के बीच रहने का अनुमान है।''

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.02 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स 1,312.91 अंक या 1.70 प्रतिशत टूटकर 76,015.28 अंक पर जबकि निफ्टी 360.30 अंक या 1.49 प्रतिशत फिसलकर 23,815.85 अंक बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 2.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 103.8 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने सोमवार को 8,437.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

दिल्ली का मुंडका - बक्करवाला टोल प्लाजा हुआ बैरियर से मुक्त, घटेगा परिचालन खर्च..

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि देशभर में नई अवरोध-रहित टोल प्रणाली के लागू होने से राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा संभव हो सकेगी और टोल प्लाजा के संचालन पर सरकार का सालाना करीब 6,000 करोड़ रुपये खर्च बचेगा। गडकरी ने दिल्ली में अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) पर स्थित मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' (एमएलएफएफ) प्रणाली की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के जरिये वाहन कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कैमरों की मदद से 80-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरते हुए भी टोल चुका सकेंगे, जिससे उन्हें इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था की शुरुआत से परिचालन लागत भी घटेगी और भविष्य में करीब 285 करोड़ रुपये का ईंधन बचने के साथ 81,000 टन कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। यह अत्याधुनिक टोल संग्रह प्रणाली वाहनों को बिना रुके टोल भुगतान की सुविधा देती है। इसमें 'ऑटोमेटिक नंबर प्लेट' पहचान और 'फास्टैग' जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है। इस पहल का मकसद टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतारों और देरी को कम करना, ईंधन की बचत करना, यात्रा का समय घटाना और बेहतर 'ड्राइविंग' अनुभव प्रदान करना है। देश में एमएलएफएफ अवरोधक-रहित टोलिंग प्रणाली वाला यह दूसरा टोल प्लाजा है। इससे पहले एक मई को गुजरात में चोर्यासी टोल प्लाजा पर इस तरह की प्रणाली शुरू की गई थी। गडकरी ने इस प्रणाली के तहत लेन-देन की प्रक्रिया समझाते हुए कहा कि 'भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण' (एनएचएआई) ग्राहकों के फास्टैग से साझेदार बैंक द्वारा काटे गए उपयोग शुल्क को प्राप्त करेगी।

अगर किसी वाहन का फास्टैग काम नहीं करता है या उसमें बैलेंस कम होता है, तो उसे ई-नोटिस मिलेगा और 72 घंटे के भीतर भुगतान करना होगा। एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर इस एमएलएफएफ प्रणाली को और व्यापक रूप से लागू करने की योजना है। यादव ने कहा कि देशव्यापी विस्तार योजना के तहत नौ राज्यों के 17 टोल प्लाजा शामिल किए गए हैं। इन्हें सितंबर, 2026 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस सूची में गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और असम जैसे राज्य शामिल हैं। इसके बाद दूसरे चरण में मार्च, 2027 तक 108 से अधिक टोल प्लाजा को इस प्रणाली से जोड़ा जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचएआई देशभर में विभिन्न स्थानों पर करीब 1,100 टोल प्लाजा का संचालन करती है।

डीओसी की निर्यात मांग से सरसों तिलहन में सुधार

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरसों के तेल-रहित खल (डी-आयल्ड केक या डीओसी) की स्थानीय और निर्यात मांग बढ़ने के कारण सोमवार को देश के बाजारों में सरसों तिलहन के दाम में सुधार देखने को मिला। इसी प्रकार डीओसी की स्थानीय मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम में भी सुधार आया।

जबकि उपलब्धता काफी कम होने के बीच बिनौला तेल के दाम भी सुधर गए। दूसरी ओर सुस्त कामकाज के बीच सरसों तेल, मूंगफली तेल-तिलहन, आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल तथा कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम स्थिर बने रहे। मलेशिया और शिकॉगो को एक्सचेंज में सुधार देखने को मिला।

बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों और स्थानीय स्तर पर सरसों डीओसी की मांग बढ़ने के कारण सरसों तिलहन के दाम में सुधार आया जबकि सरसों डीओसी में आई तेजी की वजह से सरसों तेल के दाम स्थिर रहे।

इसी प्रकार डीओसी की स्थानीय मांग होने के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम भी मजबूत रहे। वहीं आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली के बीच सोयाबीन तेल के दाम स्थिर रहे। बाजार में कम उपलब्धता के बीच बिनौला तेल के दाम में भी मजबूती दिखी। मांग बढ़ने की वजह से हरियाणा के आदमपुर मंडी में कपास नरमा का भाव बढ़कर 9,000 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेशी मुद्रा के बचत करने के लिए खाद्य तेलों के आयात को कम करने की जरूरत पर जोर दिया है। अब तेल संगठनों को इस बात पर गौर करना होगा कि खाद्य तेल मामले में लगभग 60 प्रतिशत की निर्भरता वाले इस देश में, आयातक किस मजबूरी में अपना आयात किया गया माल, लागत से सस्ते दाम पर बाजार में बेच रहे हैं। आयातकों के इस घाटे के सौदे के बीच उनके द्वारा बैकों से लिया गया कर्ज डूबने की भी आशंका है। इस परिस्थिति में क्या विदेशी मुद्रा का नुकसान नहीं हो रहा है?

सामान्य व सुस्त कामकाज के बीच सरसों तेल, सोयाबीन तेल, पाम पामोलीन और मूंगफली तेल तिलहन के दाम स्थिर बने रहे।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे :

सरसों तिलहन - 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली - 6,650-7,125 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,750 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 14,350 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2,400-2,500 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2,400-2,545 रुपये प्रति टिन। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,675 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,575 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,250 रुपये प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 13,625 रुपये प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 15,350 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,400 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 14,275 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 7,050-7,100 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 6,700-6,775 रुपये प्रति क्विंटल।

शहरों में बेरोजगारी दर जनवरी - मार्च तिमाही में मामूली घटकर 6.6 प्रतिशत पर

नई दिल्ली, (भाषा)।

शहरों में बेरोजगारी दर मार्च तिमाही में मामूली घटकर 6.6 प्रतिशत रही है। इससे पिछली तिमाही अक्टूबर-दिसंबर, 2025 में यह 6.7 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के निश्चित अवधि पर

होने वाले श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के कुल 5,61,822 व्यक्तियों को शामिल किया गया था। मार्च तिमाही का अद्यतन आंकड़ा इस श्रृंखला का चौथा आंकड़ा है। अप्रैल-जून, 2025 के बुलेटिन में पहली बार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए अनुमान दिए गए थे। सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में कुल बेरोजगारी दर में जनवरी-मार्च, 2026 के दौरान पिछली दो तिमाहियों की तुलना में गिरावट का रुख रहा। मार्च तिमाही में यह 6.6 प्रतिशत रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 6.7 प्रतिशत थी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह मामूली रूप से बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई जो इससे पहले 4.0 प्रतिशत थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में, जनवरी-मार्च, 2026 के दौरान नियमित पारिश्रमिक या वेतन वाले कर्मचारियों की संख्या 15.5 प्रतिशत पर पहुंच गयी, जो पिछली तिमाही में 14.8 प्रतिशत थी।

स्व-रोजगार वाले व्यक्तियों की हिस्सेदारी आलोच्य तिमाही में घटकर 62.5 प्रतिशत हो गई, जो अक्टूबर-दिसंबर, 2025 में 63.2 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में, विभिन्न स्तरों पर श्रमिकों का वितरण पिछली तिमाही की तुलना में लगभग स्थिर रहा। रोजगार का क्षेत्रवार वितरण पहले की तरह ही संरचनात्मक प्रतिरूप बताता है। इसमें ग्रामीण कार्यबल मुख्य रूप से प्राथमिक क्षेत्र में और शहरी कार्यबल तृतीयक यानी सेवा क्षेत्र में केंद्रित है।

ग्रामीण क्षेत्रों में, जनवरी-मार्च, 2026 के दौरान कृषि में कार्यरत श्रमिकों की हिस्सेदारी 55.8 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 58.5 प्रतिशत से कम है। वहीं तृतीयक क्षेत्र में रोजगार की हिस्सेदारी बढ़कर समीक्षाधीन तिमाही में 21.7 प्रतिशत हो गई जो दिसंबर, 2025 की तिमाही में 20.6 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खनन और उत्खनन के साथ-साथ द्वितीयक यानी औद्योगिक क्षेत्र में भी मार्च तिमाही में श्रमिकों की संख्या 20.9 प्रतिशत से बढ़कर 22.6 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों में श्रमिकों का क्षेत्रवार वितरण लगभग स्थिर रहा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुमानित जनसंख्या आंकड़ों का उपयोग करते हुए, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों की कुल संख्या का अनुमान लगाया गया है।

देश में जनवरी-मार्च, 2026 के दौरान औसतन 57.4 करोड़ व्यक्ति कार्यरत थे, जिनमें से 40.2 करोड़ पुरुष और 17.2 करोड़ महिलाएं थीं। अखिल भारतीय स्तर पर, तिमाही अनुमान कुल 5,61,822 व्यक्तियों के सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं। श्रमबल सहभागिता दर (एलएफपीआर) स्थिर रही। इस आयु वर्ग में कुल एलएफपीआर जनवरी-मार्च, 2026 में 55.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि पिछली तिमाही में यह 55.8 प्रतिशत था। ग्रामीण क्षेत्रों में, इस तिमाही में श्रमबल सहभागिता दर 58.2 प्रतिशत रही, जबकि अक्टूबर-दिसंबर, 2025 में यह 58.4 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में जनवरी-मार्च, 2026 में यह 50.2 प्रतिशत रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 50.4 प्रतिशत थी। महिलाओं के मामले में श्रमबल सहभागिता दर लगभग स्थिर रही।

जनवरी-मार्च, 2026 में यह 34.7 प्रतिशत रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 34.9 प्रतिशत थी। इस तिमाही के दौरान, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में श्रमबल सहभागिता दर 39.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पिछली तिमाही में यह 39.4 प्रतिशत थी। वहीं, शहरी क्षेत्रों में यह 25.4 प्रतिशत रही, जबकि इससे पिछली तिमाही में यह 25.5 प्रतिशत थी। कुल श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) जनवरी-मार्च, 2026 में 52.8 प्रतिशत रहा, जबकि अक्टूबर-दिसंबर, 2025 में यह 53.1 प्रतिशत था। ग्रामीण डब्ल्यूपीआर में मामूली गिरावट आई और यह घटकर 55.7 प्रतिशत हो गया, जो पिछली तिमाही में 56.1 प्रतिशत था। शहरी डब्ल्यूपीआर 47.1 प्रतिशत के मुकाबले 46.9 प्रतिशत पर स्थिर बना रहा।

जग प्रेरणा

देश विदेश

● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मू कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

आँसुओं से आत्मनिर्भरता तकः

भुवनेश्वरी बनीं गाँव की नई ताकत..

कृषि पाठशाला और पशु पाठशाला के माध्यम से गाँव-गाँव पहुँचा रहीं प्राकृतिक खेती का संदेश..

डेस्क जगप्रेरणा।

लांजी। लांजी जनपद के ग्राम करेजा की रहने वाली भुवनेश्वरी उमरे की कहानी संघर्ष, हिम्मत और आत्मनिर्भरता की ऐसी मिसाल है, जो हर ग्रामीण महिला को प्रेरणा देती है। कभी साधारण जीवन जीने वाली भुवनेश्वरी की जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल गई, जब उनके 19 वर्षीय बेटे का असमय निधन हो गया।

बेटे को खोने के बाद वे पूरी तरह टूट चुकी थीं। घर में सन्नाटा और मन में गहरी निराशा थी। उन्हें लगने लगा था कि अब जीवन में कुछ नहीं बचा। इसी कठिन समय में उनका जुड़ाव राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से हुआ। समूह की बैठकों और आजीविका से जुड़े कार्यों ने उन्हें फिर से जीने की ताकत दी। उन्होंने खुद को खेती और समाज सेवा के कार्यों में लगाया तथा प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण लिया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से गाँव में अलग पहचान बना ली। आज भुवनेश्वरी उमरे 'कृषि सखी' और प्राकृतिक खेती की प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने लगभग 250 स्व-सहायता समूहों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आजीविका से जुड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। भुवनेश्वरी नियमित रूप से कृषि पाठशाला और पशु पाठशाला का आयोजन कर किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और पशुपालन की जानकारी देती हैं। उनके प्रयासों का असर यह है कि अब गाँव के कई किसान प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने स्वयं आटा चक्की का कार्य शुरू किया और महिलाओं को सामूहिक व्यवसाय से भी जोड़ा। आज उनकी वार्षिक आय लगभग ढाई लाख रुपये तक पहुँच चुकी है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी सफलता यह है कि जिस माँ ने कभी अपने बेटे को खोने के बाद जीने की उम्मीद छोड़ दी थी, वही आज सैकड़ों महिलाओं और किसानों के लिए नई उम्मीद बन चुकी है। भुवनेश्वरी उमरे कहती हैं कि जीवन के सबसे बड़े दुख ने उन्हें समाज के लिए कुछ करने की ताकत दी। आज जब महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं और किसान प्राकृतिक खेती अपना रहे हैं, तब उन्हें अपने संघर्ष का परिणाम दिखाई देता है।

'द एपस्टीन फाइल्स': एआई पॉडकास्ट जो पत्रकारिता जैसा लगता तो है, लेकिन वैसा है नहीं..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

पॉडकास्ट आज के दौर में सबसे निजी सांस्कृतिक माध्यमों में से एक बन गया है। लोग अक्सर हेडफोन लगाकर अकेले इन्हें सुनते हैं और उन आवाजों पर भरोसा करने लगते हैं, जो उन्हें जटिल या संवेदनशील कहानियों के जरिए मार्गदर्शन देती हैं।

समय के साथ श्रोता केवल दी जा रही जानकारी पर ही नहीं, बल्कि इस भरोसे पर भी निर्भर होने लगते हैं कि किसी इंसान ने सामग्री को सुना, चुना और व्यवस्थित किया है। लेकिन एआई आधारित नए पॉडकास्ट 'द एपस्टीन फाइल्स' ने इस भरोसे और पत्रकारिता की पारंपरिक अवधारणा को चुनौती दी है। डेटा उद्यमी एडम लेवी द्वारा तैयार इस श्रृंखला में वित्तीय अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जुड़े 30 लाख से अधिक दस्तावेजों का उपयोग किया गया है। पॉडकास्ट खुद को 'फॉरेंसिक ऑडिट' के रूप में पेश करता है, जिसमें दो एआई-निर्मित प्रस्तोता आपस में बातचीत करते हुए पूरी कहानी सुनाते हैं।

फरवरी 2026 में शुरू हुई इस श्रृंखला को अब तक 20 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। यह एक दैनिक, स्वतः अद्यतन होने वाला कार्यक्रम है, जिसमें एआई प्रणाली दस्तावेजों को एकत्र करती है, उनका विश्लेषण करती है और स्क्रिप्ट तैयार करती है। इसकी गति इतनी तेज है कि पारंपरिक समाचार संस्थानों के लिए उसका मुकाबला करना मुश्किल माना जा रहा है। पहली बार सुनने पर 'द एपस्टीन फाइल्स' किसी पेशेवर पॉडकास्ट की तरह लगता है। इसमें मजाक, बातचीत के दौरान रुकावटें, अनौपचारिक टिप्पणियां

और वे तमाम शैलीगत तत्व मौजूद हैं जो लोकप्रिय पॉडकास्ट कार्यक्रमों की पहचान माने जाते हैं। लेकिन इन आवाजों के पीछे कोई वास्तविक प्रस्तोता नहीं है। शोध से लेकर प्रकाशन तक की पूरी प्रक्रिया लगभग पूरी तरह स्वचालित बताई जाती है। पॉडकास्ट के निर्माताओं का दावा है कि यह मंच 'भावनाओं को अलग' रखकर केवल तथ्यों के आधार पर सामग्री प्रस्तुत करता है।

हालांकि आलोचकों का कहना है कि जब सामग्री के चयन, व्याख्या और प्राथमिकता तय करने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती, तब निष्पक्षता के दावे की पुष्टि करना कठिन हो जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एआई प्रणाली सूचनाओं को व्यवस्थित कर सकती है, लेकिन यह तय नहीं कर सकती कि कौन-सी जानकारी महत्वपूर्ण है, कौन-सी विश्वसनीय है और किसे संदर्भ के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यह कार्य अब भी मानवीय निर्णय और संपादकीय विवेक पर निर्भर है। लेख में कहा गया है कि स्वचालन निर्णय प्रक्रिया को समाप्त नहीं करता, बल्कि उसे ऐसे ढंग से छिपा देता है जिसे समझना कठिन हो जाता है। एआई प्रणालियों में निर्णय प्रशिक्षण डेटा, एल्गोरिद्म और प्राथमिकता तय करने वाले तंत्रों में निहित होते हैं, लेकिन वे निष्पक्ष परिणामों की तरह दिखाई देते हैं।

'द एपस्टीन फाइल्स' खुद को 'पहला एआई-नेटिव खोजी वृत्तचित्र' होने का दावा करता है, लेकिन इसमें खोजी पत्रकारिता के कई पारंपरिक तत्व नहीं हैं। इसमें न तो प्रत्यक्ष साक्षात्कार हैं, न घटनास्थल की रिकॉर्डिंग और न ही ऐसे ध्वनि संकेत जो श्रोताओं को वास्तविक परिवेश का एहसास कराएं। पूरा कार्यक्रम लगभग पूरी तरह कृत्रिम संवादों पर आधारित है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ऑडियो माध्यम में यह चुनौती और गंभीर हो जाती है क्योंकि मानवीय आवाज सामान्यतः विश्वसनीयता, अनुभव और जवाबदेही का संकेत मानी जाती है। जब कोई कृत्रिम आवाज बिल्कुल इंसानी लगने लगे, तब श्रोता के लिए यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि वह वास्तव में किस पर भरोसा कर रहा है।

लेख में कहा गया है कि 'द एपस्टीन फाइल्स' में बातचीत की शैली, संतुलित स्वर और धीमी गति से प्रस्तुत तर्क श्रोताओं में भरोसे का भाव पैदा करते हैं, लेकिन इससे यह सुनिश्चित नहीं होता कि सामग्री का आलोचनात्मक मूल्यांकन भी किया गया है। आलोचकों ने यह भी चिंता जताई है कि जेफ्री एप्स्टीन जैसे संवेदनशील मामलों में, जिनका संबंध मानव शोषण

और पीड़ितों से है, एआई आधारित प्रस्तुति कहीं अधिक निर्जीव और असंवेदनशील लग सकती है। इसके बावजूद एआई आधारित पॉडकास्ट तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि इन्हें तैयार करना सस्ता है और इनकी गुणवत्ता इतनी परिष्कृत होती जा रही है कि इन्हें मानवीय सामग्री से अलग पहचानना मुश्किल हो रहा है। लेख के अनुसार, भविष्य में चुनौती केवल यह पहचानने की नहीं होगी कि क्या सही है और क्या गलत, बल्कि यह समझने की भी होगी कि प्रस्तुत सामग्री में क्या अनुपस्थित है। पारंपरिक प्रसारण और पॉडकास्ट हमेशा प्रस्तोता, श्रोता और संपादकीय जवाबदेही के रिश्ते पर आधारित रहे हैं। 'द एपस्टीन फाइल्स' उस दौर का संकेत देता है जहां आवाज तो मौजूद है, लेकिन उसके पीछे कोई वास्तविक व्यक्ति नहीं है। लेख में कहा गया है, 'यदि आप बहुत ध्यान से सुनें, तो पाएंगे कि इन आवाजों के बीच कोई कभी सांस नहीं लेता।'

फरीदाबाद में छह साल के बेटे की हत्या करने के बाद पिता ने की खुदकुशी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हरियाणा में फरीदाबाद जिले के दयालपुर गांव में एक व्यक्ति ने अपने छह वर्षीय बेटे की गला घोंटकर हत्या करने के बाद बच्चे के शव को अपने सीने से बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सागर (32) और उसके छह वर्षीय बेटे लक्षित के रूप में हुई है। दोनों दयालपुर गांव के निवासी थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सागर जुआ खेलने और शराब की लत के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। पुलिस ने बताया कि सागर की पत्नी अपने छह वर्षीय बेटे और ससुराल पक्ष के लोगों के साथ पास के मछ्छागर गांव में रहने चली गई थी, जिसके बाद वह अकेला रह रहा था। सागर रविवार को अपने बेटे को मछ्छागर गांव से दयालपुर ले आया था। इसी रात सागर ने बेटे की कथित रूप से गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने बेटे के शव को अपने सीने से बांध रखा था। एक पड़ोसी ने घर पहुंचकर यह घटना देखी और पुलिस को सूचना दी। पड़ोसी ने बताया, 'रविवार दोपहर सागर अपने बेटे लक्षित को गांव लेकर आया था। घर के अंदर बच्चे के खेलने और कूदने की आवाजें आ रही थीं, लेकिन बाद में आवाजें बंद हो गईं।'

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आर्थिक तंगी और अकेलेपन से जुड़ा प्रतीत होता है, हालांकि विस्तृत जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के जांजगीर में तरबूज खाने के बाद एक किशोर की मौत, तीन बच्चे बीमार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के एक गांव में तरबूज खाने के बाद 15 वर्षीय लड़के की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के तीन अन्य बच्चे बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना घुरकोट गांव में हुई, जहां ये बच्चे परिवार वालों के साथ अपने मामा के घर घूमने आए थे। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान पोड़ी दलहा गांव निवासी अखिलेश धीवर (15) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि बीमार पड़ने वाले अन्य बच्चों की पहचान अवारिद गांव के श्री धीवर (4), खटोला के पिंटू धीवर (12) और कोटगढ़ के हितेश धीवर (13) के रूप में हुई है।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एस. कुजूर ने कहा, 'शुरुआती जानकारी के अनुसार, बच्चों ने रविवार शाम को घर में रखा पहले से कटा तरबूज खाया था। कुछ घंटों बाद, अखिलेश को उल्टी, दस्त और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। बाद में यही लक्षण अन्य तीनों बच्चों में भी देखे गए।'

उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे उनकी हालत बिगड़ने लगी, परिवार वाले उन्हें सोमवार को अलग-अलग समय पर एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल पहुंचने पर अखिलेश को मृत घोषित कर दिया गया। अन्य तीनों बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।' कुजूर ने बताया कि जानकारी के अनुसार, तरबूज को सुबह काटा गया था और कई घंटों बाद खाया गया जिससे उसमें संक्रमण होने की आशंका बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा, 'प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि संदूषित तरबूज खाने के बाद बच्चे खाद्य विषाक्ता का शिकार हुए।' डॉक्टर ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है और फॉरेंसिक जांच के लिए विसरा के नमूने सुरक्षित रख लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि घर में रखा एक और तरबूज प्रयोगशाला जांच के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग को भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मौत और बीमारी के पीछे का सही कारण फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल पाएगा।

ओडिशा में लेटराइट पत्थर के अवैध खनन के मामले में एक व्यक्ति की हत्या, दो लोग गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

ओडिशा के नयागढ़ जिले में सोमवार को लेटराइट पत्थर के अवैध खनन को लेकर हुए विवाद में हमलावरों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी और कथित तौर पर उसका दाहिना हाथ भी काट दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अजीत कुमार साहू (38) के रूप में हुई है, जो नयागढ़ जिले के ओडागांव थाना क्षेत्र का निवासी था।

पुलिस ने बताया कि अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि हत्या में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है। आरोप है कि जब अजीत और उसके दोस्त सड़क किनारे खड़े थे, तभी एक वाहन में सवार छह लोग आए और अचानक तलवार से उन पर हमला कर दिया, जिससे अजीत को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस को पता चला है कि अजित और उसके दोस्त संतोष कुमार प्रधान ने कदलीबांध में रात करीब 12:50 बजे लैटेराइट पत्थर से लदे दो ट्रकों को कथित तौर पर पैसे वसूलने के इरादे से रोका था।

ट्रक के चालक से फोन पर सूचना मिलने पर मालिक मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में कुछ अन्य लोग एसयूवी और मोटरसाइकिल पर वहां पहुंचे और अजित और संतोष के साथ तीखी बहस करने लगे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों समूहों के बीच हाथापाई हुई और अचानक आरोपियों में से एक ने एसयूवी से तलवार निकाली जबकि दूसरे ने अजीत की गर्दन को पूरी ताकत से पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि अजीत विरोध नहीं कर सका और गिर गया, जिसके बाद आरोपियों ने मिलकर अजीत पर तलवार से कई वार किए, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसका दाहिना हाथ काट दिया।

लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने इस मामले में पुलिस कार्रवाई के साथ-साथ अवैध पत्थर खदानों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम कर दी। उन्होंने इस संबंध में स्थानीय प्रशासन को एक ज्ञापन भी सौंपा। अधिकारी ने बताया कि ओडागांव पुलिस थाने में मामला दर्ज करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए नयागढ़ अस्पताल भेज दिया गया है। मध्य रेंज के आईजीपी सत्यजीत नाइक और नयागढ़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस सुश्री ने घटनास्थल का दौरा किया। एसपी ने अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए कई पुलिस टीमें गठित की हैं। अधिकारी ने बताया कि जिला खनन अधिकारी और अन्य संबंधित राजस्व अधिकारियों के समन्वय से एक विशेष टीम को अवैध पत्थर खदानों और उनके परिवहन की समस्या पर अंकुश लगाने का कार्य सौंपा जाएगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला जल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण..

एफटीके किट से मौके पर ही किए गए पानी के नमूनों के परीक्षण..

जगप्रेरणा किरनापुर।

किरनापुर विकासखंड में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत पेयजल गुणवत्ता को लेकर महत्वपूर्ण पहल की गई। महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय किरनापुर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग **(PHE)** द्वारा सालेटेका, रजेगांव एवं किन्ही सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए फील्ड टेस्टिंग किट **(FTK)** प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 76 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सेक्टर सुपरवाइजर्स ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान सभी कार्यकर्ताओं की एफटीके यूजर आईडी भी बनाई गई। यह कार्य हरीश झा, शीतल मिश्रा, छ्नीश रंगारे, मोहिनी पटले एवं रानी सिंह राजपूत द्वारा किया गया। ब्लॉक समन्वयक श्रुति डहाटे द्वारा कार्यकर्ताओं को जल गुणवत्ता परीक्षण की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान लाइव डेमो के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों से लाए गए पानी के नमूनों की मौके पर ही जांच की गई। कार्यकर्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से बताया गया कि पानी में घुले विभिन्न तत्वों की पहचान किस प्रकार की जाती है। एफटीके किट के माध्यम से पानी के **pH** मान, फ्लोराइड,

आयरन तथा कठोरता (हार्डनेस) जैसे महत्वपूर्ण मानकों की जांच करना सिखाया गया। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि दूषित पानी बच्चों और आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, इसलिए नियमित जांच बेहद आवश्यक है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड किरनापुर के सब इंजीनियर श्री पवन पराडकर ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पेयजल स्रोतों की वर्ष में कम से कम दो बार मानसून पूर्व एवं मानसून पश्चात अनिवार्य रूप से जांच करें।

प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्वयं उत्साहपूर्वक अपने-अपने क्षेत्रों से लाए गए पेयजल स्रोतों की जांच कर सीखी गई प्रक्रिया का अभ्यास किया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें गांव स्तर पर जल गुणवत्ता की निगरानी करने में काफी मदद मिलेगी। इस पहल से आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा तथा ग्राम स्तर पर जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली और अधिक मजबूत होगी।

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट से शीतल मिश्रा एवं हरीश झा, उपखंड स्तर से ब्लॉक समन्वयक रानी सिंह राजपूत, मोहिनी पटले, श्रुति डहाटे एवं फ्नीश रंगारे उपस्थित रहे। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग किरनापुर से पर्यवेक्षक श्रीमती सुशीला अगासे, श्रीमती मंजू बिसेन, श्रीमती मनीषा पारधी, हाजरन खोबरागढ़े एवं धनवंता वरकड़े की सहभागिता रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती जागृति बघेल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

ऑनलाइन गेम की उधारी के विवाद में हत्या, 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में ऑनलाइन गेम की उधारी के विवाद में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में पुलिस ने सोमवार को 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राजेंद्र कुमार वर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि बेटमा थाना क्षेत्र में समीर पटेल (32) की सात मई को पत्थर से हमला करके हत्या कर दी गई थी।

उन्होंने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर रमजान पटेल (19) को गिरफ्त में लेकर पूछताछ की गई जिसमें उसने हत्याकांड को अंजाम देना कथित तौर पर स्वीकार कर लिया। वर्मा के मुताबिक शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि समीर और रमजान अलग-अलग ऑनलाइन गेम खेलते थे जिनमें धन की हार-जीत को लेकर दोनों के बीच विवाद था। उन्होंने बताया कि रमजान ऑनलाइन गेम में समीर से करीब 10 लाख रुपये हार चुका था

और उसने उसे सात लाख रुपये चुका भी दिए थे, लेकिन शेष तीन लाख रुपये को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि रमजान ने कथित तौर पर इस विवाद में समीर के सिर पर पत्थर से हमला करके उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस समीर और रमजान के मोबाइल फोन की जांच कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि दोनों कब से ऑनलाइन गेम खेल रहे थे और इस गतिविधि में अन्य लोग शामिल थे या नहीं।

मराठा स्पोर्ट्स
9284744867
9112026507
7006748047
T-shirt
Lower
Short
Shoes etc.
All Sports Items Available
नारायण लॉन के सामने क्रिडा संकुलन मराटोली, गोंदिया

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा ग्रामीण
तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर
मंगलवार 12 मई 2026

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
सुरेश गावते देवरी
मो. 9420886573

रेल सुरक्षा बल ने गोंदिया सालेकसा के बीच जांच में ऑपरेशन नार्कोस के तहत बड़ी कार्रवाई..

दो अलग-अलग मामलों में 04 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार..

34 लाख रुपये से अधिक मूल्य का गांजा बरामद..

जगप्रेरणा गोंदिया।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा 'ऑपरेशन नार्कोस' के अंतर्गत मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। श्री दीप चंद्र आर्य, मंडल सुरक्षा आयुक्त,

रेलवे सुरक्षा बल, द. पू. म. रेलवे, नागपुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में राज्य पुलिस तथा अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर रेलगाडियों के माध्यम से प्रतिबंधित मादक पदार्थ, शराब एवं तंबाकू उत्पादों के अवैध परिवहन में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 08. 05. 2026 को आरपीएफ नागपुर मंडल की विशेष टीम द्वारा गाड़ी संख्या 12880 भुवनेश्वर-एलटीटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में सालेकसा से गोंदिया के मध्य चेकिंग अभियान चलाया गया। जांच के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों क्रमशः (1) रॉकी कुमार, निवासी रामपुर ताराडीह, थाना आमस, जिला गया (बिहार) एवं (2) सनातन भोई, निवासी टीआरएल क्वार्टर नंबर 72, टाइप-्य, थाना बेलपहाड़, जिला झारसुगुड़ा (उड़ीसा) को दो ट्रॉली बैग में लगभग 16.374 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 8,18,700 रुपये है, का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई उपरांत आरोपियों एवं जब्त संपत्ति को जीआरपी गोंदिया को सुपुर्द किया गया, जहां उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। इसके पश्चात दिनांक 09.05.2026 को प्रभारी निरीक्षक गोंदिया के निर्देशन में मंडल टास्क टीम द्वारा गाड़ी संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस में गोंदिया से नागपुर के मध्य विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान कन्हान से नागपुर के मध्य एसी कोच **A-1** की बर्थ संख्या 40 पर यात्रा कर रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों के पास रखे दो पिट्ठू बैग एवं दो ट्रॉली बैग की जांच की गई। संदेह होने पर नागपुर स्टेशन आगमन पर जीआरपी के एनडीपीएस डॉग ÷सिकंदर÷ की सहायता से जांच की गई, जिसमें बैगों में गांजा होने की पुष्टि हुई।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान (1) श्रीहर्ष मोहंती, निवासी न्यू हरिधाम सोसायटी, थाना उधना, जिला सूरत (गुजरात) एवं (2) सिपुन गौड़ा, निवासी रोडशाही बुरझरी, नूवागांव, जिला गंजम (उड़ीसा) के रूप में हुई। आरोपियों के कब्जे से कुल 52.04 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 26,02,000 रुपये है, बरामद किया गया। साथ ही 02 आईफोन मोबाइल, 01 वन प्लस मोबाइल एवं अन्य सामग्री भी जब्त की गई। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूर्ण कर आरोपियों एवं जब्त सामग्री को जीआरपी इतवारी को सुपुर्द किया गया, जहां उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की गई।

रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल यात्रियों से अपील करता है कि रेलगाडियों, रेलवे स्टेशन एवं स्टेशन परिसर में कोई संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि अथवा लावारिस सामान दिखाई देने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा बल, गाड़ी में तैनात रेलवे स्टाफ टीटीई अथवा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना दें, ताकि इस प्रकार की अवैध एवं प्रतिबंधित गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

दसवी बोर्ड का 100 प्रतिशत नतीजा देने वाली एकमेव स्कूल, आदिवासी उज्वला विद्यालय..

जगप्रेरणा सालेकसा।

इस वर्ष परीक्षा पद्धती मे बडे पैमाने पर बदलाव किये गये पुरी महाराष्ट्र राज्य शिक्षा बोर्ड परीक्षा सीसीटीव्ही कॅमेरे एंव गुगल मिट के निगरानी मे एंव कॉपीमुक्त हुई

ऐसी बदली हुई परीक्षा पद्धती मे भी अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता के बदौलत सालेकसा तहसील की आदिवासी बहुल संवेदनशील जंगलव्याप्त भाग मे स्थित उभाजो शिक्षण संस्था भंडारा द्वारा संचालित आदिवासी उज्वला विद्यालय बिजेपार का दसवी कक्षा के नतीजे मे अपनी प्रतिवर्षी की परंपरा को कायम रखते हुए कक्षा दसवी का नतीजा 100 प्रतिशत रहा इस नतीजे मे 50 प्रतिशत से अधिक संख्या मे छात्र छात्राओ ने प्रथम श्रेणी अंक हासिल किये। इसी स्कूल कु.रागिनी शकुनलाल ठाठमुर्रा इस छात्राने 83.60 प्रति. अंक हासिल कर स्कूल मे प्रथम स्थान प्राप्त कीया.कु. प्राची रवींद्र आत्राम ने 82.80 प्रति. अंक हासिल कर स्कूल मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया और कु.रीव्यांनी विनोद वाघमारे ने 74.80 प्रति. अंक हासिल कर स्कूल मे तृतीय स्थान प्राप्त किया अत्यंत विपरीत परिस्थितीत मे स्कुल मे शिक्षा लेने वाले अधिकतर छात्र छात्रा आदिवासी एवं आर्थिक रुप से कमजोर तबके के रहने के बावुजुद अत्यंत कम शिक्षा संसधानो एवं बिना किसी भी मंहगी कोचिंग क्लासेस के बैगर आदिवासी बहुल बिजेपार मे स्थित आदिवासी उज्वला विद्यालय बिजेपार के शिक्षक के गुणवत्ता पुर्ण शिक्षा के बदौलत स्कूल के छात्र छात्रा की इस सफलता के लिये उभाजो शिक्षण संस्था कि अध्यक्ष उज्वलाताई जांभुळकर, सचिव ललितकुमार जांभुळकर तथा स्कूल की प्रधानाध्यापिका शितल अंबादे और स्कूल के सभी शिक्षक,शिक्षकेतर कर्मचारी ने छात्र छात्राओं को बधाई दि है साथ ही पुरे बिजेपार परिसर सहित सालेकसा तहसील के सभी तबके से इस विद्यालय की सफलता पर बधाई मिल रही है

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे..
मो. 9329033433

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

तु एम्बुलेंस का ड्रायव्हर है तुने गाड़ी लेट क्यो लाया बोलकर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 9/5/2026 के रात 8 बजे के दरम्यान कोदामेळी फाटे के पास फर्यादी अश्विन झाळु फुल्लुके उम्र 23 वर्ष निवासी डोंगरगाव कही जा रहे थे। कोदामेळी फाटे के पास लोगो की भिड दिखी फर्यादी ने जा कर देख रहा था। तो आरोपी ने आकर कहा तु एम्बुलेंस का ड्रायव्हर है तुने गाडी लेट क्यो लाया बोलकर गालीगलौच की और हाथ मे पहने कडे से मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे डुग्गीपार मे अपराध क्रमांक 234/2026 धारा 118,1,352, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा राकेश राऊत पोस्टे डुग्गीपार कर रहे है।

डीजे मे नाचने की बात पर हुई मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 9/5/2026 के रात 10 बजे के दरम्यान सोनेगाव मे फर्यादी दिनेश शिशुपाल नेवारे उम्र 24 वर्ष निवासी सोनेगाव अपने गाव के शादी समारोह मे गये थे। वहा डिजे के बाजु की कुर्सी पर बैठे थे, डीजे मे नाचने की बात पर गाव के दुर्गेश नागपुरे से वधु पक्ष के लोगो का झगडा हुवा, लोगो ने झगडा छुडा दिये उसके बाद फर्यादी वापस जाने निकले तो दो आरोपी ने आकर कहा तु ही है बीच मे बोलने वाला बोलकर चाकु से पैर पर मारकर जख्मी किया झगडा छुड़ाने आये रवी पंधरे, सतीष पंधरे उन्हें भी चाकु से सर और हाथ पर मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 241/2026 धारा 118,2,118,1,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच परिपोऊपनी अजित धाराव पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

पप्पड खाने की बात पर चलाई पटिया मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 6/5/2026 के रात 11 बजे के दरम्यान एकोडी गाव के शादी समारोह मे हिरालाल पुरिचंद रिनाईत उम्र 55 वर्ष कढ़ाई से पप्पड निकाल रहा था। आरोपी ने कढ़ाई से पप्पड निकाला हिरालाल ने कहा मै कढ़ाई से निकालता हु फिर खा लेना तो आरोपी ने कहा मुझे पप्पड खाने से मना कर रहा है बोलकर गालीगलौच की और सेंट्रिंग की पटिया से सर हाथ पैर पर मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 242/2026 धारा 109,1,352,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सपोनि सुधीर वर्मा पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

अचानक बंदर आंग पर कुदने से गिरी बुर्जुग महिला की उपचार के दौरान मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 9/5/2026 के सुबह कवलेवाडा मे राधनबाई आसाराम बिसेन उम्र 65 वर्ष अपने घर के सामने झाडु लगा रही थी। उसी समय उसके आंग पर बंदर कुदने से वह नीचे गिरी। सर मे गंभीर चोट लगने से उसे उपचार के लिये ले जाते समय उसकी मौत हो गई। फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे तिरोडा मे अकस्मात मौत क्रमांक 13/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा नामुर्ते 1194 पोस्टे तिरोडा कर रहे है।

देवरी के विवेक अग्रवाल की चमकी 'किस्मत', 1959 का 50 पैसे का सिक्का नीलामी में 42 हजार में बिका..

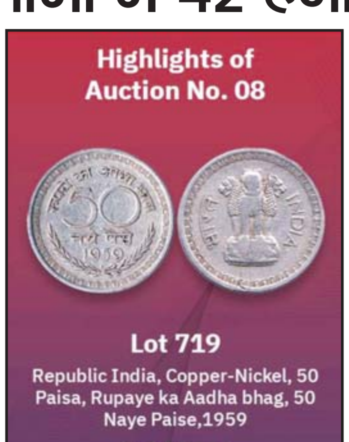

जगप्रेरणा देवरी।

पुरानी और दुर्लभ वस्तुओं का संग्रह करने का शौक कई लोगों को होता है, लेकिन यह शौक कब किसे मालामाल कर दे, इसका कोई अंदाजा नहीं लगा सकता।

देवरी स्थित 'सुनंदा ज्वेलर्स' के संचालक विवेक अग्रवाल के पास मौजूद 1959 का 50 पैसे का एक दुर्लभ सिक्का **(Coin)** हाल ही में 'कॉइन वर्ल्ड' की नीलामी में 42,000 रुपये में बिका है। इस सौदे के बाद फिलहाल पूरे जिले के सिक्का संग्राहकों के बीच काफी चर्चा हो रही है। क्या है पूरा मामला?

विक्की अग्रवाल को पुराने सिक्के और नोट इकट्ठा करने का शौक है। उनके संग्रह में पुराने जमाने के कई सिक्के मौजूद हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने संग्रह से 1959 के 50 पैसे के सिक्के के बारे में 'कॉइन वर्ल्ड' नामक नीलामी प्लेटफॉर्म पर जानकारी साझा की थी। इस सिक्के के ऐतिहासिक महत्व और दुर्लभता को देखते हुए, नीलामी में इस पर बोली लगाई गई। अंततः, 42,000 रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर इस सिक्के का सौदा तय हुआ।

क्यों खास है यह सिक्का?

1959 में चलन में आए 50 पैसे के सिक्के अब अत्यंत दुर्लभ हो गए हैं। विशेष रूप से उस समय की विशिष्ट टकसाल **(Mint)** से तैयार किए गए सिक्के, जिनकी संख्या सीमित थी, उनकी वैश्विक बाजार में बड़ी मांग रहती है। जानकारों का कहना है कि अग्रवाल के पास मौजूद सिक्का बहुत अच्छी स्थिति **(Condition)** में था, इसलिए उसे इतनी बड़ी कीमत मिली है।

पुराने सिक्के ; नया निवेश..

आज के दौर में ऐतिहासिक सिक्कों को केवल एक शौक के रूप में नहीं, बल्कि एक निवेश के तौर पर देखा जा रहा है। देवरी जैसे छोटे शहर से इस तरह का व्यवहार होना आश्चर्य और प्रशंसा की बात मानी जा रही है। विक्की अग्रवाल की इस सफलता के बाद अब कई लोग अपने घरों के पुराने 'गुल्लक' और 'तिजोरियाँ' खंगालने लगे हैं।

बोले व्यापारी विवेक अग्रवाल..

'मुझे बचपन से ही पुराने सिक्केजमा करने का शौक है। मुझे अंदाजा नहीं था कि यह सिक्का इतनी बड़ी कीमत में बिकेगा। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि दुर्लभ वस्तुओं को सहेज कर रखा जाए, तो भविष्य में उनका मूल्य निश्चित रूप से मिलता है।'

अईप हायस्कूल रिसामा ने लहराया परचम

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगाव तहसील की बहुचर्चित चंद्रमणी बौद्ध विहार समिती आमगाव (रेल्वे) द्वारा संचालित अईप हायस्कूल एंव कनिष्ठ महाविद्यालय रिसामा (आमगांव) ने

अपनी 10 वी कक्षा के नतीजो की परंपरा को कायम रखते हुये हालहि ही मे महाराष्ट्र राज्य शिक्षा बोर्ड के नतीजो मे परचम लहराते हुये 87.95त्र नतीजा रहा विद्यालय मे कुल 83 छात्र छात्रा उत्तीर्ण हुये जिसमे 16 छात्र छात्रा प्रविण्य प्राप्त किया प्रथम श्रेणी मे 16 छात्र छात्रा द्वितीय श्रेणी मे 10, तृतीय श्रेणी मे 22 एंव पास श्रेणी मे कुल 09 छात्र छात्रा उत्तीर्ण हुये विद्यालय में 91.60त्रअंक हासिल करते हुये कु. कशिश खोब्रागडे ने प्रथम स्थान हासिल किया 88.60 अंक हासिल करते हुये प्रज्ञा भालाधरे ने द्वितीय वैभव काटेखाये ने 83.20 अंक हासिल करते हुये तुतीय कु. श्रुती गडपांडे 82.40 अंक हासिल करते हुये चौथा कु. तुप्ती पटले 81.80 अंक हासिल करते हुये पांचवा हिमांशु भांडारकर 80.40 अंक हासिल करते हुये छठा स्थान हासिल किया विद्यालय के सभी उत्तीर्ण छात्र छात्रा का चंद्रमणी बौद्ध विहार समिती आमगांव (रेल्वे) सचिव महेंद्र मेश्राम, सहसचिव आदित्य मेश्राम सहसचिव मोहित मेश्राम स्कूल के प्रधानाध्यपक महेश बिसेन स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी ने अभिनंदन किया है।

ग्राम पंचायत कर्मीयों का जिला परिषद तथा कलेक्टर कार्यालय पर विशाल मोर्चा धरणा आंदोलन

जगप्रेरणा गोंदिया।

आयटक सबंध महाराष्ट्र राज्य ग्रामपंचायत कर्मचारी महासंघ द्वारा 11 मई को गोंदिया जिला परिषद और कलेक्टर कार्यालय पर एक विशाल मोर्चा और प्रदर्शन आंदोलन किया गया जिसका नेतृत्व राज्य महासंघ के कार्याध्यक्ष मिलिंद गणवीर, जिला अध्यक्ष चत्रूगण लांजेवार, कार्याध्यक्ष महेंद्र कटरे व जिला सचिव रवि किटे ने किया उल्लेखनिय हैं की राज्य महासंघ ने 11मई को संपूर्ण राज्य की जिला परिषदो एवंम कलेक्टर कार्यालयो पर आंदोलन का आव्हान किया था, यावलकर समिती की सिफारिशे मान्य कर वेतन श्रेणी, आकृतिबंध सुधारित करणे, नया किमान वेतन घोषित करणे, श्रेणी 'क' 'ड ' पद पर 10 फिसदी आरक्षण के तहत वर्ष 2019 से रोककर रखी गई भरती प्रक्रिया सुरु करने आदी मांगो का ज्ञापण राज्य के मुख्यमंत्री, ग्राम विकास मंत्री के नाम उपजिलाधिकारी श्री बेहरे को सौपा गया वही जिला परिषद प्रशासन से संबंधित 29 मांगो का ज्ञापण मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मुरूगा नंथम को सौपकर विस्तृत चर्चा की गई. जिला परिषद मे कर्मीयों के वेतन अनुदान जमा होने पर एक सप्ताह के भीतर खातो पर भुगतान करने, कर्मीयों की सेवा शर्तो का पालन करने हर माह की 5 तारीख के भितर न्यूनतम वेतन, भत्ता, भविष्य निर्वाह निधी का भुगतान करने, साप्ताहिक, वार्षिक सवेतन छुट्टीया, पं. स. स्तर पर साल मे 3 एवंम जिला परिषद स्तर पर साल मे 2 शिकायत निवारण समिती की सभायें लेने, कर्मीयों के रेकॉर्ड की जाचं, सेवा शर्तो का उल्लंघन करने वाले अधिकारीयो पर कार्यवाही की मांग की गई. मु का अधी. ने प्रस्तुत निवेदन पर चर्चा करते हुए तात्काल कार्यवाही का आश्वासन दिया आंदोलन कारियो को संबोधित करते हुए मिलिंद गणवीर ने आंदोलन के दुसरे चरण मे नागपूर मे मुख्यमंत्री सचिवालय के शमक्ष 8 जून से होने वाले राज्यव्यापी बेमियादी धरणा आंदोलन मे सभी कर्मीयों को शामिल होने का आव्हान किया.इस आंदोलन मे प्रमुखता से आयटक के जिला सचिव कॉ. रामचंद्र पाटील, महासंघ के बुधराम बोपचे, ईश्वरदास भंडारी, विष्णू हत्तीमारे, महेंद्र भोयर, भाऊलाल कटंगकार, विनोद शहारे, कु. दीप्ती राणे, देवेंद्र मेश्राम, मनोज जनबंधू, गजेंद्र हिरवानी, तुलसीदास चौधरी, लोमेशकुमार पारधी सहित जिला, तालुका पदाधिकारी एवंम बडी संख्या मे कर्मी शामिल थे।

SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
MRI CENTER
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
● M.R.I.
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन व एम.आर.आई. क्लिनिक
तुरकर SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN, M.R.I. क्लिनिक
सिव्हिल लाईन, गोंदिया फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com
SONOGRAPHY C.T./M.R.I.

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजीव बापट गोंदिया

मो. 9922607145

जग प्रेरणा

गोंदिया भंडारा

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव

1 महावीर कॉम्पलेक्स

एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास

2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट

2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..

संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गोंदिया जिले में आयोजित दूसरे राष्ट्रीय लोक अदालत में 13,655 मामलों का किया गया निपटारा..

3 करोड़ 69 लाख रुपये से अधिक की वसूली, पक्षकारों ने जताया संतोष

जगप्रेरणा गोंदिया।

वर्षों से न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित, सौहार्दपूर्ण एवं कम खर्च में समाधान करने के उद्देश्य से शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गोंदिया द्वारा दूसरे राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, सर्वोच्च न्यायालय तथा महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,

उच्च न्यायालय मुंबई के निर्देशानुसार आयोजित इस लोक अदालत में कुल 13,655 मामलों का सफल निपटारा किया गया। साथ ही कुल 3 करोड़ 69 लाख 78 हजार 605 रुपये की वसूली भी की गई। यह लोक अदालत जिला न्यायालय गोंदिया सहित जिले के सभी तालुका न्यायालयों एवं तालुका विधिक सेवा समितियों में आयोजित की गई। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्रकरणों के अलावा पूर्व-विवादित मामले, बैंक रिकवरी, महावितरण, बिजली, पानी, टेलीफोन तथा अन्य लोक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े मामलों का भी समझौते के माध्यम से समाधान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ए. एस. प्रतिनिधी के शुभहस्तों से किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश-1 एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए. एस. प्रतिनिधी, जिला न्यायाधीश-2 एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एम. टी. असीम, जिला न्यायाधीश-3 एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के. एन. गौतम, जिला न्यायाधीश-4 एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए. सी. खुराणा, मुख्य न्याय दंडाधिकारी एम. जे. मोहोड, चौथे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) एस. व्ही. चरडे, पांचवें सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) एस. व्ही. चरडे, सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) श्रीमती टी. व्ही. गवई, दूसरे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) एस. ए. शेंडगे, तीसरे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) व्ही. एच. शेंडे, चौथे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) व्ही. एच. शेंडे, जिला बार एसोसिएशन गोंदिया के अध्यक्ष एस. ओ. बोरकर, न्यायालयीन कर्मचारी, अधिवक्ता एवं बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह के पश्चात प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ए. एस. प्रतिनिधी ने उपस्थितों को लोक अदालत के महत्व एवं उसके लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से लोगों को शीघ्र, सस्ता और सरल न्याय उपलब्ध होता है तथा वर्षों पुराने विवाद आपसी समझौते से समाप्त हो जाते हैं। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एन. के. वालके ने अधिक से अधिक मामलों को समझौते के माध्यम से निपटाने का आह्वान किया।

लंबित और पूर्व-विवादित मामलों का हुआ समाधान

लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित 113 मामलों का समझौते के आधार पर निपटारा किया गया, जिससे 1 करोड़ 98 लाख 47 हजार 714 रुपये की वसूली हुई। वहीं पूर्व-विवादित 48,745 मामलों में से 13,542 मामलों का निपटारा कर 1 करोड़ 71 लाख 30 हजार 891 रुपये की वसूली की गई। इस प्रकार कुल 53,307 मामलों में से 13,655 मामलों का सफल समाधान किया गया तथा कुल 3 करोड़ 69 लाख 78 हजार 605 रुपये की वसूली हुई।

विशेष अभियान के तहत भी मिली बड़ी सफलता

विशेष अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न न्यायालयों में कुल 112 आपराधिक मामले रखे गए थे, जिनमें से 95 मामलों का निपटारा किया गया। इसके अलावा 1,384 पेटी प्रकरण (प्लीड गिल्टी मामले) रखे गए थे, जिनमें से 893 मामलों का समाधान किया गया। इन मामलों के निपटारे से संबंधित पक्षकारों को लंबे समय से चल रहे मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ तथा न्यायालयीन प्रक्रिया से राहत मिली। कई पक्षकारों ने लोक अदालत की इस पहल पर संतोष व्यक्त किया।

महावितरण और बैंक रिकवरी मामलों में भी मिली राहत..

लोक अदालत की विशेष उपलब्धि यह रही कि महावितरण, बिजली, पानी, टेलीफोन तथा बैंक रिकवरी से जुड़े पूर्व-विवादित मामलों में जिन पक्षकारों ने समझौते के अनुसार बकाया राशि संबंधित विभागों में जमा की, उनके मामले स्थायी रूप से समाप्त कर दिए गए। इससे संबंधित विभागों एवं बकायादारों को भविष्य में होने वाले न्यायालयीन खर्च एवं मानसिक परेशानी से राहत मिली।

इन अधिकारियों और कर्मचारियों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका..

प्रकरणों को समझौते के माध्यम से निपटाने में जिला न्यायाधीश-2 एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एम. टी. असीम, मुख्य न्याय दंडाधिकारी एम. जे. मोहोड, सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) श्रीमती टी. व्ही. गवई, चौथे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) एस. व्ही. चरडे, तीसरे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) के. व्ही. शेंडे, चौथे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) व्ही. एच. शेंडे, जिला वकील संघ, अन्य पदाधिकारियों तथा पैनल अधिवक्ताओं एडवोकेट मयंक गुप्ता, एडवोकेट कुणाल गणवीर, एडवोकेट दिव्या डहाके एवं एडवोकेट सुचना चवरे ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु ए. आर. कुकडे (प्रबंधक, जिला न्यायालय गोंदिया), एम. पी. पटले, एन. पी. गोखले, पी. एन. गजभिये, आर. ए. सोनकुसरे, कु. पी. डी. जंगठे, व्ही. व्ही. जाधव, एन. सी. शहरे, आर. के. पंधरे, रोहित मेंढे (शिपाई), एन. बी. बहादुरे (बेलिफ), पैरा लीगल वालंटियर्स तथा अन्य न्यायालयीन कर्मचारियों ने अथक परिश्रम किया।

जिला परिषद कर्मचारी संदेश चंद्रशेखर सांबरे 45 हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया..

पेंशन कार्य के नाम पर सेवानिवृत्त होने जा रहे कर्मचारी पर बना रहा था दबाव..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिला मुख्यालय के जिला परिषद कार्यालय में एन्टी करप्शन विभाग गोंदिया की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला परिषद गोंदिया के मुख्य लेखा एवं वित्त विभाग में पदस्थ कनिष्ठ सहायक संदेश चंद्रशेखर सांबरे उम्र 35 वर्ष को 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की पेंशन प्रक्रिया शीघ्र कराने एवं रिकवरी बचाने के नाम पर रिश्वत मांग रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 58 वर्षीय शिकायतकर्ता 31 मई 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनकी पेंशन संबंधी सभी दस्तावेज जिला परिषद गोंदिया के मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी कार्यालय में जमा किए गए थे। शिकायतकर्ता जब 7 मई 2026 को अपने पेंशन कार्य के संबंध में कार्यालय पहुंचे, तब कनिष्ठ सहायक संदेश सांबरे ने उनकी सेवा पुस्तिका जांचते हुए पे-फिक्सेशन में त्रुटि बताकर 1 लाख 92 हजार रुपये की रिकवरी निकलने की बात कही। आरोपी ने कथित रूप से कहा कि यदि रिकवरी बचानी है और पेंशन का काम जल्दी करवाना है तो 50 हजार रुपये देने होंगे। शिकायतकर्ता ने इसे रिश्वत मानते हुए 11 मई 2026 को एसीबी गोंदिया में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच एवं सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा 50 हजार रुपये की मांग की पुष्टि हुई, जिसके बाद बातचीत में 45 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। इसके बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। 11 मई 2026 को आरोपी संदेश सांबरे ने पंच गवाहों के समक्ष शिकायतकर्ता से 45 हजार रुपये की रिश्वत स्वीकार की, जिसके तुरंत बाद उसे हिरासत में ले लिया गया।

आरोपी के पास से रिश्वत की रकम तथा लगभग 70 हजार रुपये कीमत का आईफोन 15 प्रो मैक्स मोबाइल भी जब्त किया गया है। आरोपी के घर की तलाशी की प्रक्रिया भी जारी है। इस मामले में गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत अपराध दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक उमाकांत उगले के नेतृत्व में की गई। जांच अधिकारी पुलिस निरीक्षक अरविंद राऊत हैं। कार्रवाई में एसीबी गोंदिया की टीम के कई अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी वैधानिक शुल्क के अलावा रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी तत्काल सूचना लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग को दें।

SONO VIEW

SONOGRAPHY

X-RAY

CT SCAN

MRI CENTER

DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist

DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ

FACILITIES AVAILABLE

SONOGRAPHY
- Color Doppler
- Power Doppler Imaging
- B-flow Imaging
- Tissue Harmonic Imaging
- Transrectric & TV Sonography
- Pediatric Sonography
- Orbital Sonography
- Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
- Neonatologist Neurosonogram
- 2 D Echo Cardiography
- Foetal Echo
- Whole Body Ct Scan
- Digital X-ray Digital Radiography System
- M.R.I.

DIGITAL X-RAY
- 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
- 2D Echo
- Colour Doppler
- Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
- M.R.I.

राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन व एम.आर.आई. क्लिनिक

तुरकर SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN, M.R.I. क्लिनिक

सिव्हिल लाईन, गोंदिया फोन - 07182- 231149, 234198, 236391

E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T./M.R.I.

9 साल से मुकेश शिवहरे कर रहे थे नवेगांव-नागझिरा अभ्यारण्य के मुरदोली गेट को शुरू करने की मांग..

शिवसेना नेता की मांग पर अब जाकर हुआ अमल.. बढ़ रही प्रतिदिन पर्यटकों की संख्या..

जगप्रेरणा गोंदिया।

वर्षों से बंद पड़ा रहा गोंदिया जिले के नवेगांव-नागझिरा वन्यजीव अभ्यारण्य का पूर्वी मुरदोली प्रवेश द्वार अब जाकर 2026 में शुरू हुआ है। इसे शुरू करने की मांग वर्ष 2017 में तत्कालीन गोंदिया जिला शिवसेना प्रमुख रहे मुकेश शिवहरे ने मुंबई मंत्रालय में जाकर उठायी थी, और उसी

समय से अनेक मर्तबा वन विभाग का ध्यान आकर्षित करने का कार्य मुकेश शिवहरे ने किया था, जिसका परिणाम है कि आखिरकार मुकेश शिवहरे की पर्यटन सुविधाओं के दृष्टिकोण से मुरदोली गेट के शुरु किये जाने के महत्व को समझा गया, और इसका परिणाम है कि अब मुरदोली गेट के प्रारंी होने से गोंदिया की ओर से नवेगांव नागझिरा अभ्यारण में प्रवेश करके अधिक सुविधाजनक पर्यटन लाभ पर्यटन प्रेमियो को मिलना शुरु हो चुका हैं

गौरतलब है कि नवेगांव-नागझिरा वन्यजीव अभ्यारण्य पूर्व में कोर क्षेत्र, बफर क्षेत्र में बंटा हुआ था। टाइगर रिजर्व अभ्यारण्य का बफर क्षेत्र 650 वर्ग किलोमीटर तक सीमित था, जबकि कोर एरिया 1200 वर्ग किलोमीटर। इससे अलग कोहमारा-गोंदिया नेशनल हाइवे पर इसी घने जंगल में पूर्व में बनाया गया पर्यटकों के लिए मुरदोली प्रवेश द्वार था, जिसे बफर और कोर के चक्कर में बंद कर दिया गया था। नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व अभ्यारण्य के इस मुरदोली गेट के बंद होने से वन्यजीव प्रेमियों को बड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से आनेवाले पर्यटकों को भंडारा जिले के साकोली एवं गोंदिया जिले के चोरखमारा गेट से प्रवेश करना पड़ता था, जो कि अत्यधिक घुमावदार और भूलभुलैया रास्ता था।

ऐसे में बाहरी पर्यटकों की संख्या में निरंतर कमी होती चली गई। इस गेट को पुनः शुरू कराने एवं जिले के टाइगर रिजर्व अभ्यारण्य की ख्याति महाराष्ट्र सहित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बढाने वर्ष 2017 में तत्कालीन शिवसेना जिला प्रमुख मुकेश शिवहरे ने मुंबई मंत्रालय में आवाज उठाई। मंत्रालय में तत्कालीन वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार से भेंट कर नवेगांव-नागझिरा वन्यजीव अभ्यारण्य में पर्यटकों के मुरदोली प्रवेश द्वार को शुरू करने में आ रही बाधाओं से अवगत कराया और पर्यटन को बढ़ावा देने इस गेट को पुनः शुरू करने की मांग की। उन्होंने तत्कालीन गोंदिया जिले के पालकमंत्री एवं समाजिक न्यायमंत्री राजकुमार बडोले से भेंट कर दोनों मंत्रियों से समन्वय स्थापित किया। उसी दौरान इस अभ्यारण्य में आ रही बाधाओं को दूर करने कोर और बफर को विलय करने का निर्णय लिया गया और 9 साल बाद ही सहीं लेकिन अब 1 अप्रैल 2026 से मुरदोली गेट के प्रारंभ होने से पर्यटन प्रेमियों की संख्या में इजाफा भी देखा जाने लगा है।

ज्ञात हो कि कोर एरिया और बफर एरिया को 1 अप्रैल, 2026 से मिला दिया गया है और अब नवेगांव-नागजीरा टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 1850 वर्ग किलोमीटर हो गया है। इस निर्णय से बाघ अभ्यारण्य का दायरा काफी बढ़ गया है। इसी निर्णय के तहत टाइगर रिजर्व का दायरा बढ़ने से वर्षो से बंद मुरदोली प्रवेश द्वार को संजीवनी मिल पायी और आज ये प्रवेश द्वार पर्यटकों की पहली पसंद बन बैठा है। मुकेश शिवहरे ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, आगामी समय में इस प्रवेश द्वार से वन्यजीव पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोत्तरी होगी और महाराष्ट्र के अंतिम छोर के जिले को एक पहचान भी मिलेगी।

गोंदिया से प्रतिदिन पर्यटन वाहनो को भी शुरु किया जाना चाहिये..

शिवसेना जिला प्रमुख मुकेश शिवहरे ने कहा कि वे राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं अपने नेता एकनाथ शिंदे साहब से मांग करेंगे कि गोंदिया नगर मुख्यालय से अभ्यारण क्षेत्र में भ्रमण के लिये प्रतिदिन पर्यटन वाहनों को भी शुरु किया जाए और जिससे कि साधारण टिकिट दरों पर भी लोगों को अभ्यारण क्षेत्र में भ्रमण का अवसर प्राप्त हो सके।

सूचना - यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नही मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 9860558902 पर संपर्क करें।

प्रधानमंत्री जी, आपकी 7 अपीलें स्वीकार करने देश तैयार, आप 4 अपीलें स्वीकार कर लीजिये.. - छैलबिहारी अग्रवाल

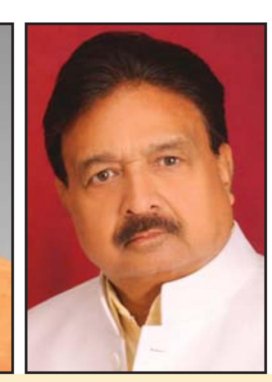

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया के वरिष्ठ समाजसेवी छैलबिहारी अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक वर्ष तक सोना नहीं खरीदने, वर्क फ्रॉम होम, पेट्रोल डीजल का कम से कम इस्तेमाल, प्राकृतिक खेती पर जोर, विदेश नहीं जाने, खाने का तेल कम खाने की अपील का स्वागत किया है, तथा उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री जी आपकी इस अपील को

पुरे देश की जनता स्वीकार करने तैयार है, लेकिन इन अपीलों के साथ देश की जनता की भी 4 अपीलें आप स्वीकार कर लीजिये। छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि जब देश में एक बार खाद्यान्न संकट की स्थितियां उत्पन्न हुई थी, तब देश के संपन्न लोगों से भी एक दिन उपवास की अपील तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने की थी। हांलांकि देश उस संकट से जल्द ही बाहर निकल गया था। लेकिन आज जो स्थिति ईरान अमेरिका युद्ध को लेकर तथा अमेरिका के डॉलर के मुकाबले भारत के रुपये की गिरती स्थिति को बेहतर करने के लिये ऐसा किया जाना राष्ट्रहित में है तो निश्चित ही ऐसा किया जाना चाहिये, और हम आपकी अपील को मान्य करते हैं। इसी के साथ छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की ऐसी अपील से यह भी स्पष्ट है कि ईरान और अमेरिका के बीच समन्वय की स्थिति बनने की गुंजाईशें कम है, और इसके कारण यदि हमने अपनी स्थितियों को नहीं संभाला तो निश्चित ही इसका बूरा असर हमारी दैनिक जरुरतों पर पड़ सकता है, जबकि यदि ईंधन, सोना और फर्टिलाईजर की खरीदी विदेशों से होती है, और हम उसके बजाए अपनी जरुरतों को सिमित करते हुए वैकल्पिक व्यवस्थाओं को महत्व देते हैं, तो निश्चित ही इससे स्थितियां अनुकुल होगी, और सबसे बड़ी बात ऐसा करना आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ाना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की छैलबिहारी अग्रवाल ने देश की जनता की ओर से यह 4 अपील..

छैलबिहारी अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की है कि आपकी 7 अपीलों को हम स्वीकार कर रहे हैं, तो राष्ट्रहित में आप भी हमारी 4 अपीलों को स्वीकार कर लीजिये। श्री अग्रवाल ने कहा कि देश की जनता की पहली अपील है कि आप राष्ट्रहित में देश के सारे सांसदों और विधायकों का वेतन, भत्ता, सुविधाएं भी एक साल के लिये बंद कर दीजिये। 2. पुरे एक साल पीएम मोदी और भारतीय जनता पार्टी कोई रैली, कोई कार्यक्रम आयोजित ना करे। 3. श्री अग्रवाल ने मांग की कि देश के प्रथम श्रेणी अधिकारियों जिसमें केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के अधिकारी शामिल हैं, सभी का एक वर्ष का वेतन आधा कर दीजिये। इसी प्रकार श्री अग्रवाल ने पीएम मोदी से मांग की है कि एक वर्ष के लिये देश के खजाने पर बोझ बनने वाली सारी मुफ्त की योजनाओं को भी पूरी तरह से बंद कर दीजिये।

सरकार यह भी करे प्रयास..

छैलबिहारी अग्रवाल ने आगे कहा कि जिस तरह से पीएम मोदी ने 7 अपीलें की है, उसी तरह से देश को विदेशों से खरीदी जाने वाली समस्त सामग्रीयों की समीक्षा करनी चाहिये, और देश में ऐसी वस्तुओं का उत्पादन कर कम लागत में उसकी आपूर्ति करने की दिशा में भी प्रयास किये जाने चाहिये, जिससे कि भारत की निर्भरता अन्य देशों पर ना के बराबर हो। विशेष रुप से चाईना और जापान ने भारत में बड़े मार्केट पर कब्जा जमा रखा है, और इससे हमारे देश में रोजगार संकट भी पैदा हो रहा है, वर्तमान स्थिति में भारत निर्माता की बजाए विक्रेता बनकर उत्पादन से दूर भाग रहा है, जो कि भारत के लिये भविष्य में और अधिक नुकसानदायक होगा, इसलिये सरकार इस दिशा में भी प्रयास अवश्य करे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com